RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, सोमवार ●15 अप्रैल , 2024 वर्षः-11 अंक - 347 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

सप्तम दिवस

स्वरूप कालरात्रि

मां के सप्तम रूप का नाम है मां कालरात्रि। यह मां का अति भयावह व उग्र रूप है। सम्पूर्ण सृष्टि में इस रूप से अधिक भयावह और कोई दूसरा नहीं। किन्तु तब भी यह रूप मातृत्व को समर्पित है। देवी मां का यह रूप ज्ञान और वैराग्य प्रदान करता है।

यूपी में पहली रैली में मायावती का बीजेपी पर निशाना

- सहारनपुर में कहा-इनकी कोई नाटकबाजी, जुमलेबाजी और गारंटी काम नहीं आने वाली

सहारनपुर (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अंबेडकर जयंती के दिन से यूपी में चुनाव प्रचार शुरू किया। पहली रैली उन्होंने सहारनपुर के नागल में की। मायावती ने कहा- हमारी पार्टी किसी भी विरोधी पार्टी के साथ चुनाव नहीं लड़ रही। भाजपा और कांग्रेस की कथनी-करनी एक जैसी है। अब ऐसा लगता है कि इस बार यह पार्टी भी केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस आने वाली नहीं है। ये भी सत्ता से बाहर होंगे। भाजपा पर हमलावर मायावती ने कहा- इनके चुनावी घोषणा पत्र और प्रलोभन में नहीं आना है। हमारी पार्टी किसी भी मामले में कहने में कम और काम करने में ज्यादा विश्वास जताती है। इसीलिए बसपा कभी घोषणा पत्र जारी नहीं करती है।

कनाडा के वैंकूवर में 24 वर्षीय भारतीय छात्र की हत्या

- ऑडी के अंदर मारी गोली, हरियाणा का था रहने वाला

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के वैंकूवर में एक 24 वर्षीय छात्र की कार के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान चिराग एंटिल के रूप में की गई है। वह हरियाणा का रहने वाला था। वैंकूवर पुलिस ने एक बयान में बताया कि पड़ोसियों के गोली चलने की आवाज सुनने के बाद छात्र का शव कार के अंदर पाया था। भारतीय छात्र को मारे जाने की घटना ऐसे समय में हुई है जब कुछ दिन पहले ही कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने एक सार्वजनिक सुनवाई के दौरान कहा था कि कनाडा देश में आने वाले हर किसी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

'यूसीसी' से लेकर वन नेशन वन इलेक्शन तक का जिक्र

पीएम मोदी ने देश के सामने रखा बीजेपी का संकल्प पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी मुख्यालय में बीजेपी का घोषणापत्र जारी किया। इस दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जीवायएएन (गरीब, युवा, अन्नदाता व नारीशक्ति) को लेकर आगे बढ़ रही है और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प ले रही है। लोकसभा चुनाव-2024 के संकल्प पत्र के विमोचन के दौरान पीएम ने इन चार वर्गों से एक-एक व्यक्ति को ये संकल्प पत्र सौंपा। पीएम मोदी ने कहा कि एक व्यक्ति, जो आज भरोसे का पर्याय बन चुका है क्योंकि मोदी की गारंटी ही गारंटी पूरी होने की गारंटी है। आने वाले 5 साल भी सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के होंगे, ये है मोदी की गारंटी। इसके बाद प्रधानमंत्री मंच पर आए। 46 मिनट की स्पीच में पिछले 10 साल के कामकाज का लेखा-जोखा देते हुए कहा- हमने धारा 370, महिला आरक्षण जैसे वादे पूरे किए। इसके बाद मोदी ने 2024 की गारंटी यानी वादे गिनाए। इसमें 70 साल की उम्र से ऊपर के किसी भी वर्ग के बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज, गरीबों के लिए 3 करोड़ घर, गरीबों को मुफ्त राशन 2029 तक देने की गारंटी दी। मोदी ने कहा- 4 जून को नतीजे आने के तुरंत बाद बीजेपी के 'संकल्प पत्र' पर काम शुरू हो जाएगा। सरकार ने 100 दिन की कार्ययोजना पर काम शुरू कर दिया है। देश की जनता की महत्वाकांक्षा ही मोदी का मिशन है। पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी का संकल्प पत्र युवा भारत की युवा आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। आने वाले पांच साल में फ्री राशन की योजना जारी रहेगी। जनऔषधि केंद्रों का विस्तार होगा। पांच लाख का मुफ्त इलाज मिलता रहेगा। 70 साल की आयु के हर बुजुर्ग को आयुष्मान योजना के अंतर्गत लाया जाएगा। चाहें फिर वो किसी वर्ग का हो। 3 करोड़ और घर बनाने का संकल्प लिया है। 10 साल में हमने दिव्यांगजनों को कई सुविधाएं दी हैं। दिव्यांग साथियों को अब पीएम आवास योजना में प्राथमिकता दी जाएगी, उनकी विशेष जरूरतों के अनुसार उन्हें आवास मिल सके, इसके लिए विशेष रूप से काम किया जाएगा। ट्रांसजेंडर साथियों को भी आयुष्मान योजना के दायरे में लाने का निर्णय लिया है। पिछले 10 साल नारी को समर्पित रहे हैं। आने वाले पांच साल नारी की भागेदारी के होंगे।

जहां दूसरों से उम्मीद खत्म, वहां से मोदी की गारंटी शुरू

प्रधानमंत्री मोदी बोले-कांग्रेस के दिल में जलन भरी, पिपरिया में की जनसभा

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को मध्यप्रदेश के पिपरिया पहुंचे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में मप्र ने पूरे देश को चौंका दिया। होशंगाबाद से जो लहर उठी, वो पूरे देश में फैल गई थी। पीएम ने कहा, कांग्रेस का शाही परिवार धमकी दे रहा है कि मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बना तो देश में आग लग जाएगी। बस देश को डराओ, घबराओ, आग फैलाओ। आज देश में आग नहीं लगी। यह जलन उनके

दिल और दिमाग में ऐसे भरी पड़ी है कि वह उनको अंदर से जलाती जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के लिए चुनावी सभा करने आए थे। पीएम मोदी 8 दिन के भीतर तीसरी बार मध्यप्रदेश आए थे। कांग्रेस के शहजादे ने घोषणा की है कि एक झटके में देश की गरीबी हटा दूंगा। आखिर ये शाही जादूगर इतने वर्षों तक कहां छिपा था। इनको एक झटके वाला मंत्र मिल गया है। ऐसे दावे करते हैं और हंसी के पात्र बन जाते हैं। कांग्रेस की मानें तो लोकतंत्र तब ठीक चल रहा था लेकिन जैसे ही गरीब घर का बेटा पीएम बना,अफवाह फैलाने लगे कि मोदी आया है,संविधान और लोकतंत्र पर खतरा हो जाएगा। पिछड़ी जनजातियों के लिए 24000 करोड़ की जनमन योजना पर पहले से ही काम चल रहा है। मोदी के तीसरे कार्यकाल में इसे भी पूरा किया जाएगा। मोदी की गारंटी वहां से शुरू होती है,जहां दूसरों की खत्म होती है।

राजधानी में धूमधाम से मनी बाबा साहेब की जयंती

शहर में हुए अनेक आयोजन, सीएम मोहन यादव बोले-कांग्रेस ने आंबेडकर के खिलाफ साजिश की

भोपाल। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 133वीं जयंती राजधानी भोपाल में उत्साह से मनाई जा रही है। बोर्ड ऑफिस चौराहे और बौद्ध विहारों सहित अनेक स्थानों पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने रविवार को बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर बोर्ड ऑफिस चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंत्री विश्वास सारंग, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर मालती राय, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व भोपाल लोकसभा प्रत्याशी आलोक शर्मा सहित कई नेता मौजूद थे। प्रदेश भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा,

कांग्रेस ने आंबेडकर के खिलाफ साजिश की। उन्हें चुनाव हराने का प्रयास तत्कालीन प्रधानमंत्री ने किया। आंबेडकर के जीते जी और उनके जाने के बाद भी कांग्रेस ने उनका अपमान किया। इंदिराजी ने कदम-कदम पर संविधान में संशोधन कर अपमान किया। संविधान की मूल भावना को बदलने का काम कांग्रेस ने किया। सीएम मोहन यादव ने कहा कि बीजेपी आंबेडकर की भावनाओं को समझती है। जो 60 साल में नहीं हो सका वह पीएम मोदी ने 10 साल में करके दिखाया है। संविधान की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार अपने काम कर रही है। आंबेडकर जयंती मैदान तुलसी नगर समेत शहर के दर्जनभर स्थानों से मोमबत्ती रैलियां निकाली गईं।

आंध्र सीएम जगन मोहन रेड्डी पर विजयवाड़ा में हुआ हमला

माथे पर चोट लगी, रोड शो के दौरान शख्स ने फूलों के साथ पत्थर फेंके

विजयवाड़ा (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर चुनाव प्रचार के दौरान शनिवार रात को पत्थर से हमला हुआ। इसमें जगन मोहन घायल हो गए। उनके माथे पर चोट लगी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जगन मोहन ने विजयवाड़ा में मेमंता सिद्धम (हम सब तैयार हैं) बस यात्रा निकाली थी। वे बस के ऊपर से लोगों का अभिवादन कर रहे थे। इसी दौरान उन पर फूलों के साथ पत्थर फेंका गया। पार्टी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने सीएम पर पत्थर फेंका, जिससे उनकी बाईं आंख के ऊपर चोट लग गई। सीएम

को प्राथमिक उपचार के लिए बस में ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सीएम रेड्डी ने अपनी बस यात्रा फिर से शुरू की। पार्टी ने सीएम पर हमले को लेकर तेलुगु देशम पार्टी को जिम्मेदार ठहराया। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर लिखा- पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अपने गुंडों से हमारे सीएम पर हमला करवाया। टीडीपी के लोग सीएम रेड्डी की यात्रा की लोकप्रियता को सहन नहीं कर सके। राज्य की जनता 13 मई को इसका जवाब देगी।

आंध्र प्रदेश में 13 मई को लोकसभा की 25 और विधानसभा की 175 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। 4 जून को नतीजे आएंगे। राज्य में पिछले 5 साल से जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व में वायएसआर की सरकार है।

सलमान खान के घर के बाहर 4 राउंड फायरिंग

- हमले के वक्त घर पर थे ऐक्टर, लॉरेंस गैंग के हमले का दावा

मुंबई (एजेंसी)। सलमान खान के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के सामने रविवार सुबह 5 बजे फायरिंग की गई। 2 बाइक सवारों ने 4 राउंड फायर किए। जिस वक्त फायरिंग हुई, उस वक्त सलमान अपने घर में ही थे। इस घटना के बाद महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने सलमान खान से फोन पर बात की। शिंदे ने मुंबई पुलिस कमिश्नर से भी बात करते हुए सलमान की सिक्योरिटी बढ़ाने के लिए कहा है।

160 फीट गहरे बोरवेल में फंसे मासूम की मौत

- रीवा में 45 घंटे चला रेस्क्यू, सीएम का ऐक्शन

भोपाल। रीवा में 160 फीट गहरे बोरवेल में फंसे मयंक को बचाया नहीं जा सका। करीब 45 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद वह बोरवेल के भीतर 42 फीट की गहराई पर मिट्टी-पत्थरों के बीच दबा मिला। उसके शरीर में कोई हलचल नहीं थी। मेडिकल टीम उसे लेकर अस्पताल पहुंची। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिला पंचायत सीईओ सौरभ सोनवडे ने भी मयंक की मौत की पुष्टि की है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मयंक की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को रेडक्रॉस की ओर से 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है। सीएम ने त्योंथर जनपद के सीईओ और एसडीओ, पीएचई को निलंबित करने के

मयंक आदिवासी

निर्देश दिए हैं। बता दें कि रीवा में जनेह थाना क्षेत्र के मनिका गांव में मयंक (6) पिता विजय आदिवासी शुक्रवार दोपहर करीब 3.30 बजे से 4 बजे के बीच खुले बोरवेल में गिर गया था। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर तुरंत उसे निकालने की कोशिशें शुरू कीं। खबर मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे।

घाटी में सुरक्षा को लेकर भारतीय सेना की बड़ी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख में संभावित तैनाती के लिए एक नई सेना डिवीजन बनाने की लंबे समय से रुकी योजना को इस साल लागू किए

- उत्तरी व पूर्वी सीमाओं पर 1 कोर और 17 कोर का पुनर्गठन

जाने की संभावना है। यह योजना जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र के लिए बदलावों की एक श्रृंखला के हिस्से के रूप में होगी। इससे चीन की तरफ सेना का घेरा बढ़ेगा। अखबार को सूत्रों से इसकी जानकारी हुई

चीन की बढ़ेगी आफत, ईस्टर्न कमान में बनेगी नई डिवीजन

है। सूत्रों के मुताबिक सेना उत्तरी कमान के तहत पूर्वी लद्दाख में संभावित तैनाती के लिए 72 डिवीजन को बढ़ाने पर विचार कर रही है। जो मूल रूप से पानागढ़ (पश्चिम बंगाल) स्थित 17 माउंटेन स्ट्राइक कोर (एमएससी) के तहत काम करना था।

एक डिवीजन में लगभग 14,000 से 15,000 सैनिक होते हैं। हालांकि, अतिरिक्त मैन पॉवर की भर्ती के बजाय, सेना अन्य संरचनाओं से नए डिवीजन में तैनाती के लिए मौजूदा कर्मियों को पुनर्गठित करने की संभावना है। स्ट्राइक कोर आक्रामक सीमा पार कार्रवाई के लिए जिम्मेदार है। वर्तमान में, सेना के पास चार स्ट्राइक कोर हैं। मथुरा स्थित 1 कोर, अंबाला स्थित 2 कोर, भोपाल स्थित 21 कोर और पानागढ़ में 17 एमएससी। हालांकि, 2021 तक, केवल 17 एमएससी जिसे तब आंशिक रूप से बढ़ाया गया था चीन पर केंद्रित था। बाकी तीन का फोकस पाकिस्तान पर था। लेकिन चीन के साथ 2020 में शुरू हुए सैन्य गतिरोध की पृष्ठभूमि में चीन के सामने वाले पहाड़ों के लिए दो स्ट्राइक कोर रखने के लिए 2021 में एक पुनर्गठन किया गया था।

सैनिकों की दीर्घकालिक तैनाती का फिर से आंकलन किया जाएगा

नए डिवीजन का नाम बदला भी जा सकता है और नहीं भी। सूत्रों के मुताबिक, एक बार जब नई डिविजन को पूर्वी लद्दाख में प्रभावी ढंग से तैनात कर दिया जाएगा, तो पूरे उत्तरी कमान में सैनिकों की दीर्घकालिक तैनाती का फिर से आकलन किया जाएगा। जबकि घाटी में सुरक्षा स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर है, 16 कोर, जो पीर पंजाल रेंज के दक्षिण के क्षेत्रों की देखभाल करती है, ने पिछले तीन वर्षों में उच्च प्रभाव वाले आतंकवादी हमलों की एक श्रृंखला देखी है। अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रीय राइफल्स बल को क्षेत्र से पूर्वी लद्दाख में स्थानांतरित करने से एक खालीपन पैदा हो गया, और बाद में इसे आरक्षित संरचनाओं और स्ट्राइक कोर से सैनिकों को स्थानांतरित करके संबोधित किया गया, जिससे सैनिकों के प्रशिक्षण के साथ-साथ उनके शांतिकाल की प्रोफ़ाइल भी प्रभावित हुई।

संक्षिप्त समाचार

तीन प्रकरणों में जिला बदर की कार्यवाही

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने तीन प्रकरणों में जिला बदर के आदेश जारी कर दिए है। पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला के प्रतिवेदन पर जिन तीन प्रकरणों में जिला बदर की कार्यवाही की गई है। उनमें अनावेदक नितिन सरवैया पुत्र दिनेश सरवैया उम्र 42 वर्ष निवासी बांसकुली विदिशा थाना कोतवाली और अनावेदक आरिफ पठान पुत्र श्री सलीम पठान उम्र 23 साल निवासी गली नम्बर चार पूरनपुरा थाना सिविल लाइन विदिशा, एवं अनावेदक भारत कुचबंदिया पुत्र महेश कुचबंदिया उम्र 40 साल निवासी शेरपुरा टीला थाना सिविल लाइन विदिशा सहित पूर्व उल्लेखितों के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जिला बदर की कार्यवाही का आदेश जारी हुआ है। तीनो अनावेदक विदिशा जिला एवं सीमावर्ती जिला रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर, राजगढ़ की राजस्व सीमा से क्रमशः एक-एक वर्ष की कालावधि के लिए उसे निष्कासित किये गए है।

जिले में 15 एसएसटी टीम, 5 व्हीएसटी तथा 15 एफ एसटी टीम करेंगी निगरानी

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024अंतर्गत विदिशा के अन्य सीमावर्ती जिलों के चेक पॉइंट पर सतत निगरानी रखे जाने हेतु जिले में विधानसभा वार एसएसटी, व्हीएसटी और एफएसटी टीमें बनाई गई हैं। जिले की पांचो विधानसभाओं में कुल 15एसएसटी टीमें बनाई गई हैं जिनमें प्रत्येक विधानसभा के लिए तीन-तीन टीमें शामिल हैं। प्रत्येक विधानसभा में बनाई गई तीन-तीन टीमों में क्रमशः 9-9अधिकारी, कर्मचारी लगाए गए हैं। इस प्रकार जिले की पांचो विधानसभाओं में कुल 15एसएसटी टीम में 45अधिकारी, कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार प्रत्येक विधानसभा के लिए एक-एक व्हीएसटी टीम भी बनाई गई हैं। इसके अलावा जिले में प्रत्येक विधानसभा के लिए तीन-तीन एफएसटी टीम इस प्रकार कुल 15एफ एसटी टीमें बनाई गई है जिनमें प्रत्येक विधानसभा के लिए 9-9इस प्रकार कुल 45अधिकारी, कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। साथ ही साथ एसएसटी, व्हीएसटी और एफएसटी टीम के लिए कुल 35 अधिकारी कर्मचारियों को रिजर्व में भी रखा गया है।

श्री राम जानकी मंदिर में श्री राम यज्ञ, दक्षिणमुखी काली की आराधना की

सिवनी मालवा(निप्र)। श्री राम जानकी राधा कृष्ण मंदिर में श्री राम यज्ञ, दक्षिणमुखी काली जी की विशेष आराधना एवं श्री राम जी का अभिषेक एवं श्री राम जन्मोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। राम जानकी मंदिर के प्रमुख अवधेश महाराज और यज्ञेश महाराज ने बताया कि इस पूजा से नगरवासियों को शारीरिक एवं मानसिक शांति, गृह क्लेश, व्यापारिक एवं आर्थिक परेशानी में लाभ होगा।

कटे होंठ, कटे तालु वाले बच्चे का करवाया इलाज

नर्मदापुरम(निप्र)। सिवनीमालवा की आरबीएसके टीम ने जन्मजात कटे होंठ, कटे तालु से पीड़ित बच्चों का सफलतापूर्वक आपरेशन करवाया है। सीबीएमओ डॉ. जयसिंह कुशवाह और आरबीएसके टीम में डॉ. मनीष गौर व डॉ. दीपमाला मौर्य राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत काम कर रही है। टीम ने बालक धर्मवीर पिता अनिल बिसोपिया (7) निवासी वार्ड -13 का 1 अप्रैल 2024 को सफलतापूर्वक निशुल्क आपरेशन व उपचार करवाया गया।

एसपीएम केवि : पहली के लिए 15 तक होंगे प्रवेश

नर्मदापुरम(निप्र)। केन्द्रीय विद्यालय एसपीएम में कक्षा पहली के लिए सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश प्रक्रिया 1 अप्रैल 2024 से प्रारंभ है। प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2024 निर्धारित है। प्रवेश प्रक्रिया प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक की जाएगी। प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय ने बताया है कि विस्तृत जानकारी बेवसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

श्री राजन ने की भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के जिलों की निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा

गर्मी को देखते हुए सभी मतदान केंद्रों पर टेंट, पानी, मेडिकल किट की व्यवस्था सुनिश्चित करें: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

नाकों पर वाहनों की सघन जांच तथा निर्वाचन नियमों का सख्ती से पालन करायें

रायसेन , (निप्र)। स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी निर्वाचन के लिये शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था को सुदृढ़ बनायें तथा निर्वाचन सबंधी अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई करें। निर्वाचन संबंधी शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निराकरण के लिये जरूरी है कि जिला निर्वाचन अधिकारी इसकी सतत मानिटरिंग करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने यह निर्देश शनिवार को कमिश्नर सभाकक्ष भोपाल में पहले सत्र में भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के जिलों में लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा के दौरान दिये। उन्होंने गर्मियों को देखते हुये मतदान केंद्रों पर टेंट, मेडिकल किट और पानी जैसी जरूरी व्यवस्थायें करने तथा सेक्टर अधिकारियों के पास मेडिकल किट एवं दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। मतदान दल एवं सुरक्षा कर्मियों के लिये भी ओआरएस और अन्य जरूरी दवाइयों की व्यवस्था करें। श्री राजन ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने के आवेदनों का त्वरित निराकरण करने और मतदाता पहचान पत्र का वितरण समय पर करने के निर्देश दिये। बैठक में रायसेन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा जिले में लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में अवगत कराया गया।

वेयरहाउस एवं अन्य भण्डार गृहों का करें निरीक्षण :

श्री राजन ने कहा कि वेयरहाउस एवं अन्य भण्डार गृहों का निरीक्षण करें, यहां पर अवैध शराब आदि का भण्डारण हो सकता है। श्री राजन ने कहा कि पुलिस बल भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित एसओपी का पालन करे। उन्होंने ऐसे प्रत्येक तत्व पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने की हिदायत दी जो चुनावी प्रक्रिया के दौरान अशांति पैदा करने का प्रयास कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आपराधिक तत्वों के विरुद्ध अभी तक की गई कार्यवाही की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि संवेदनशील और वल्नरेबल क्षेत्रों में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त करने के साथ ही मतदाताओं को डराने, धमकाने या प्रलोभन देने की शिकायतों अथवा सूचनाओं पर तत्काल और सख्त कार्रवाई करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने चेक पोस्ट पर और सख्ती बरतने तथा वाहनों की सघन तलाशी करने के निर्देश दिये। उन्होंने मतदान के 48 घण्टे पूर्व की एसओपी का भी कड़ाई से पालन कराने को कहा। उन्होंने कहा कि सुचारू मतदान के लिये कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ऐसी लोकेशन का स्वयं जाकर निरीक्षण करें, जहां एक से अधिक मतदान केंद्र हैं। उन्होंने वल्नरेबल और क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े उपाय करने की आवश्यकता पर जोर देते हुये कहा कि निर्वाचन आयोग ने अब आवश्यकता अनुसार बेवकास्टिंग के लिये कुल मतदान केन्द्रों की संख्या के 75 प्रतिशत के बराबर कैमरे लगाने की अनुमति प्रदान कर दी है। बेवकास्टिंग के लिये कैमरे मतदान केंद्र के भीतर और बाहर भी लगाये जा सकेंगे। श्री राजन ने संभाग के प्रत्येक जिले में निर्वाचन नियमों के उल्लंघन के अभी तक दर्ज हुये प्रकरणों, आपराधिक तत्वों के विरुद्ध की गई प्रतिबन्धात्मक कार्यवाही की जानकारी भी ली। उन्होंने निर्वाचन की प्रक्रिया के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी, बहुमूल्य धातुओं और निषिद्ध वस्तुओं के परिवहन को रोकने, चेक पोस्ट पर वाहनों की सघन तलाशी लेने पर बल दिया।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने करें प्रयास

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बैठक में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने जिलों में चलाई जा रही स्वीप गतिविधियों का ब्यौरा लिया। उन्होंने गर्मियों के दौरान मतदाताओं को मतदान केंद्र आकर वोट डालने के लिये प्रेरित करने स्वीप की गतिविधियों को व्यापक स्वरूप देने के निर्देश दिये। श्री राजन ने मतदान केंद्र के समीप वाहनों की पार्किंग के लिये व्यवस्थायें करने पर जोर दिया। उन्होंने शहरी क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा मॉडल बूथ बनाने तथा मतदाताओं को मतदान के लिये प्रोत्साहित करने विभिन्न सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठनों की सहभागिता से स्वीप की गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिये। उन्होंने ऐसे क्षेत्रों में मतदाताओं को जागरूक करने दस्तक अभियान जैसे विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया, जहां पूर्व में हुए निर्वाचनों में औसत से कम मतदान हुआ था। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत गत विधानसभा चुनाव से अधिक होना चाहिए। उन्होंने मतदाताओं को दी जाने वाली वोटर-स्लिप और एएसडी सूची तैयार किये जाने पर भी चर्चा की। निर्वाचन से जुड़ी प्रत्येक गतिविधि की वीडियोग्राफी भी कराई जाये। उम्मीदवारों के निर्वाचन व्यय पर निगरानी रखने गठित दलों की गतिविधियों पर भी बैठक में चर्चा की गई। पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा तथा राज्य पुलिस नोडल अधिकारी श्री अंशुमान सिंह ने कहा कि चुनाव में उपयोग किए जाने वाले वाहनों का फिटनेस टेस्ट करा लें। वाहनों की कंडीशन अच्छी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिसको जिलाबदर कर रहे हैं, वह जिले में नहीं रहना चाहिए।

नवरात्र के अवसर पर रोज कन्याभोज कराया जा रहा

पचमढ़ी(निप्र)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी चैत्र नवरात्र के शुभ अवसर पर सुबह चार बजे से प्रभात फेरी निकाली जा रही है। प्रभात फेरी श्री राम मंदिर से होते हुए समस्त नगर का भ्रमण करते हुए श्री राम मंदिर पर ही समाप्त हुई। नगर के प्राचीनतम अम्मा माई मंदिर में चैत्र नवरात्र के शुभ अवसर पर प्रतिदिन कन्याभोज का आयोजन किया जा रहा है और वर्षों पुरानी परंपरा अनुसार कन्याओं को तिलक लगाकर पैर धुलाकर फल आदि भेट कर सम्मान किया जा रहा है। इस शुभ कार्य में नगर के सभी सम्माननीय नागरिक और भक्तगण शामिल रहे।

मां विजयासन देवी दरबार में हो रहा सहस्त्रचंडी महायज्ञ

इटारसी(निप्र)। इटारसी चैत्र नवरात्रि पर मां विजयासन देवी दरबार महर्षिनगर में चल रहे सहस्त्रचंडी महायज्ञ के चौथे दिन शुक्रवार को मां कुष्मांडा की आराधना की गई। श्रद्धालुओं ने मंदिर में देवीजी के दर्शन किए। जल-प्रसाद चढ़ाया। मैया के जयकारे लगाते हुए यज्ञशाला की परिक्रमा भी की। 17 अप्रैल तक चलने वाले इस अनुष्ठान को काशी से पधारे आचार्य पं. अनुपम दीक्षित के सानिध्य में 51 विद्वान संपन्न करा रहे हैं। यज्ञ रोजाना सुबह 8 से शाम 6 बजे तक हो रहा है। पूर्णाहूति पर वर्सोधारा, कन्यापूजन, आरती, भंडारा रखा गया है।

पचमढ़ी में चोरी करने घुसा युवक रंगेहाथों गिरफ्तार:सब्बल से सुरंग बनाकर गोडाउन में घुसा था युवक

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी में कैंटबोर्ड क्षेत्र गोडाउन में सुरंग बनाकर चोरी करने घुसे एक युवक को पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा। युवक का नाम छोटू है। जो पचमढ़ी में ही मजदूरी करता है। उसने गोडाउन में चोरी करने के लिए गेट के नीचे वाले हिस्से में सब्बल से गड्ढा खोदकर सुरंग जैसा रास्ता बनाया। फिर उसी डेढ़ फीट के रास्ते से गोडाउन में घुस गया। युवक को गड्ढा खोदकर व अंदर घुसने एक युवक ने देख लिया और पुलिस को सूचना दे दी। पचमढ़ी थाने से प्रधानआरक्षक सौरभ तोमर मौके पर पहुंचे। गोडाउन में अंदर घुसे युवक को आवाज दी। फिर गोडाउन संचालक सैय्यद जुनेद अली ठेकेदार केंटबोर्ड पचमढ़ी को बुलाया गया। ताला खोलकर प्रधानआरक्षक सौरभ ने युवक को पकड़ा। जो शराब के नशे में था। युवक छोटू बोलने लगा कि मैंने कोई चोरी नहीं की। मैं सिर्फ लकड़ी लेने के लिए घुसा था। युवक को थाने लाया गया। ठेकेदार सैय्यद जुनेद ने लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।

एक आदतन आरोपी 06 माह के लिए जिलाबदर

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अरविंद दुबे द्वारा पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर मप्र राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के अंतर्गत विभिन्न अपराधों में आरोपी चरण सिंह पिता बाबूलाल पुर्विया (ठाकुर) उम्र 36 साल निवासी ग्राम गोपालपुर थाना बरेली हाल निवासी बकतरा रोड बाड़ी थाना बाड़ी जिला रायसेन को 06 माह के लिए रायसेन जिला तथा रायसेन जिले के सीमावर्ती जिलों की राजस्व की सीमाओं से निष्कासित किया गया है। आरोपी वर्ष 2005 से लगातार आपराधिक कृत्य में लिप्त है। आरोपी के विरूद्ध विभिन्न अपराधों में 13 प्रकरण पंजीबद्ध हैं। न्यायालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशानुसार आरोपी चरण सिंह को जिलाबदर करने संबंधी पारित आदेश के अनुसार जिला रायसेन एवं जिला रायसेन के सीमावर्ती जिला भोपाल, विदिशा, सागर, सीहोर, नर्मदापुरम् एवं नरसिंहपुर जिले की राजस्व सीमाओं से 06 माह के लिए निष्कासित किया गया है। आरोपी जिस जिले में निवास करेगा उस जिले के पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित थाना प्रभारी को अपनी उपस्थिति के संबंध में निरंतर सूचित करेगा। आरोपी द्वारा निष्कासन/जिलाबदर की अवधि में इस आदेश का उल्लंघन करने पर मप्र राज्य सुरक्षा अधिनियम-1990 की धारा-14 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर ने उपार्जित गेंहू को वर्षा से बचाव के दिए निर्देश जिले के 33064 किसानों से 257839.37 मे.टन गेंहू की खरीदी

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने रबि सीजन में गेहूं खरीदी कार्य की समीक्षा की। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में अभी तक 33064 किसानों से 257839.37 मे. टन गेंहू की खरीदी की जा चुकी है। जिले में 231 केन्द्र बनाए गए हैं। जिले में कुल 88991 किसानों ने उपार्जन के लिए पंजीयन कराया है। उन्होंने वर्तमान मौसम को दृष्टिगत रखते हुए असमय होने वाली वर्षा से उपार्जित गेहूं को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त व्यवस्था के भी निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने किसानों की गेहूं की तौल शीघ्रता से करने के लिए उपार्जन केन्द्रों पर अतिरिक्त तौल कांटे एवं हम्मालों, तुलावटी की व्यवस्था समिति के माध्यम करने तथा गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्रों पर उपार्जित गेहूं को उपार्जन दिवस में ही गोदाम में भण्डारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि भारतीय खाद्य निगम को उपार्जन के दौरान 'ए' मोड में गेहूं परिदान हेतु चिन्हित समिति स्तरीय केन्द्रों अथवा अन्य समिति स्तरीय केन्द्रों पर भी यथसम्भव कवर्ड स्थान पर गेहूं खरीदी की जाए, ताकि उपार्जित गेहूं को वर्षा से बचाया जा सके। उपार्जन केन्द्रों पर गेहूं की तौल के उपरांत बारदानों की तत्काल सिलाई कर ऊंचे पक्के स्थान पर स्टेकिंग लगाकर रखी जाए एवं वर्षा से बचाव के लिए तिरपाल आदि से कवर किया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने किसानों के गहूं को उपार्जन केन्द्र परिसर में लूज में संग्रहित नही कराने एवं गुणवत्ता परीक्षण में एफएक्यू पाए गये गेहूं को बोरों में भरकर रखे जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्र के परिसर में वर्षा के पानी का भराव न हो यह सुनिश्चित कर लिया जाए एवं आवश्यक होने पर उपार्जन केन्द्र को अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। किसानों को अपनी उपज तिरपाल आदि से कवर कर लाने के लिए कहा जाये जाकि गेहू वर्षा से सुरक्षित रहे। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी, केन्द्रीय सहकारी बैक के सीईओ श्री पीएन यादव, उपायुक्त सहकारीता श्री सुधीर केथवास, उप संचालक कृषि श्री के के पाण्डे, प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी श्री सुनिल बोहत, श्री संशील पंडित संहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

झंडा रैली में मतदाताओं को शपथ दिलाकर की जा रही मतदान की अपील

हरदा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन के लिए हरदा जिले में 7 मई को मतदान होगा। लोकसभा चुनाव को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आदित्य सिंह के निर्देशन में जिले में मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने के लिये विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में खिरकिया व हरदा शहर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत नगरीय निकायों द्वारा झंडा रैली आयोजित की गई तथा रैली में उपस्थित नागरिकों को मतदान करने के लिये शपथ दिलाई गई। इसके अलावा ग्राम चौकड़ी, पाहनपाट, धनवाड़ा, नगावा माल व देवपुर में भी झंडा रैली आयोजित कर ग्रामीणों को मतदान की शपथ दिलाई गई। ग्राम धौलपुरकला में कुर्सी दौड़ कराकर मतदान की शपथ दिलाई गई। टिमरनी क्षेत्र के ग्रामों में महिलाओं की दौड़ और कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। ग्राम भीमपुरा में वृद्ध मतदाताओं का सम्मान किया गया। ग्राम नीमढ़ाना के पंचायत भवन में ग्रामीणों को मतदाताओं को शपथ दिलाई गई। उंढाल में दीवार लेखन के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिये जागरूक किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास तथा स्वीप के सहायक नोडल अधिकारी श्री संजय त्रिपाठी ने बताया कि स्वीप गतिविधियों के तहत शुक्रवार को टिमरनी के ग्राम नजरपुरा में वुमन्स रन गतिविधि आयोजित कर महिलाओं को लोकसभा निर्वाचन के लिये मतदान करने के लिये जागरूक किया गया।

उमरिया के मां बिरासनी देवी मंदिर में दिव्यांग श्रद्धालु हो रहे परेशान

उमरिया। बिरसिंहपुर पाली जिला उमरिया मप्र के प्रसिद्ध मां बिरासनी देवी मंदिर में दिव्यांगों की सुविधा के लिए रैंप ना होने से श्रद्धालु परेशान हो रहे हैं।

चैत्र नवरात्रि का समय चल रहा है। दूर-दूर से हजारों लाखों की संख्या में श्रद्धालु उमरिया के प्रसिद्ध मां बिरासनी देवी मंदिर में पहुंच रहे हैं पर यहां सुविधाओं के अभाव में वो परेशान हो रहे हैं। इस मंदिर की प्रबंध समिति श्रद्धालुओं से अनेक प्रकार के चार्ज तो वसूल करती है पर सुविधा के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है।

अभी नवरात्री के समय यहां दिव्यांगजनों के लिए रैंप की सुविधा न होने से काफी परेशानी के सामना करना पड़ रहा है।

श्रद्धालु बताते हैं कि यहां पीने के पानी की भी पर्याप्त सुविधा नहीं हैं, ऐसी अनेक समस्याओं से श्रद्धालु प्रतिदिन रूबरू होते हैं पर प्रबंध समिति और जिला प्रशासन का इस और बिल्कुल ध्यान नहीं है।

विदिशा संसदीय क्षेत्र के निर्वाचन हेतु नाम निर्देशन प्राप्ति के प्रथम दिवस दो अभ्यर्थियों ने जमा किए नाम निर्देशन पत्र

रायसेन (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी लोकसभा आम निर्वाचन-2024 कार्यक्रम अनुसार तृतीय चरण में संसदीय क्षेत्र-18 विदिशा के निर्वाचन हेतु 12 अप्रैल 2024 को अधिसूचना जारी होने के साथ ही कलेक्ट्रेट कार्यालय रायसेन में न्यायालय कलेक्टर कक्ष क्रमांक-2 में नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। नाम निर्देशन प्राप्ति के पहले दिन 12 अप्रैल को रिटर्निंग अधिकारी श्री अरविंद दुबे के समक्ष दो अभ्यर्थियों, इंडियन नेशनल कॉग्रेस के अभ्यर्थी श्री प्रतापभानु शर्मा तथा निर्दलीय अभ्यर्थी मो. तलत खान तलत द्वारा नाम निर्देशन पत्र जमा किए गए हैं। नाम निर्देशन पत्र जमा करने वाले अभ्यर्थियों के शपथ पत्र प्रारूप-26 का प्रदर्शन जनसामान्य के अवलोकन हेतु विदिशा संसदीय क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय के सूचना पटल तथा विदिशा संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत सभी आठ विधानसभा सेगमेंट के सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालय के सूचना पटल पर किया गया है। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थियों के शपथ पत्र भारत निर्वाचिन आयोग की वेबसाइट पर भी देखे जा सकते हैं। संसदीय क्षेत्र 18-विदिशा के निर्वाचन के लिए नाम निर्देशन पत्र 12 अप्रैल से 19 अप्रैल 2024 तक प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 03 बजे तक प्राप्त किए जा रहे हैं। नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल 2024 को अपरान्ह 03 बजे तक है तथा नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 20 अप्रैल 2024 को की जाएगी। अभ्यर्थिता वापिस लेने की अंतिम तिथि 22 अप्रैल 2024 निर्धारित की गई है। संसदीय क्षेत्र 18-विदिशा के निर्वाचन हेतु मतदान 07 मई 2024 को होगा तथा मतगणना 04 जून 2024 को की जाएगी।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर, सोमवार 15 अप्रैल, 2024

परिणाम से असंतुष्ट हैं तो 25 अप्रैल तक कर सकते हैं रीचेकिंग के लिए आवेदन, इतना लगेगा शुल्क

इंदौर एजेंसी। ऑल इंडिया बार एसोसिएशन की परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी अब परीक्षा कॉपियों की री-चेकिंग के लिए आवेदन कर सकेंगे। उन्हें आवेदन ऑल इंडिया बार एसोसिएशन की अधिकृत वेबसाइट पर करना होगा। अन्य किसी माध्यम से किए जाने वाले आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। आवेदन शुल्क 200 रुपये रखा गया है। अभ्यर्थी 25 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। इस तिथि के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

पहली बार री-चेकिंग का प्रावधान

ऑल इंडिया बार एसोसिएशन की परीक्षा वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है। इस परीक्षा में अब तक री-चेकिंग का कोई प्रावधान नहीं था। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन और इंदौर अभिभाषक संघ के पदाधिकारी लंबे समय से इस परीक्षा में री-चेकिंग की व्यवस्था शुरू करने की मांग कर रहे थे। इस वर्ष पहली बार री-चेकिंग का प्रावधान किया गया है।

परीक्षा को उत्तीर्ण करने के बाद ही मिलती है स्थाई सनदः एलएलबी की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद राज्य अधिवक्ता परिषद में सनद के लिए आवेदन करना होता है। आवेदन पर राज्य अधिवक्ता परिषद वकीलों को अस्थाई सनद जारी करती है जो सिर्फ दो वर्ष के लिए होती है। इन दो वर्षों के भीतर वकील को ऑल इंडिया बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण करना होती है। यह परीक्षा वर्ष में दो बार आयोजित होती है।

ऑल इंडिया बार एसोसिएशन देता है स्थाई सनद

इस परीक्षा के उत्तीर्ण करने के बाद ही अभिभाषक को स्थाई सनद जारी की जाती है। जो वकील अस्थाई सनद प्राप्त होने के दो वर्ष के भीतर आल इंडिया बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित परीक्षा को उत्तीर्ण नहीं कर पाते हैं उन्हें अस्थाई सनद प्राप्त होने की तिथि से दो वर्ष पूरे होने के बाद तब तक वकालत करने की अनुमति नहीं रहती जब तक कि वे परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर लेते। हर वर्ष इस परीक्षा में इंदौर से सैंकडों परीक्षार्थी शामिल होते हैं। कुछ दिन पहले ही इस वर्ष की परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ है।

इंदौर सिटी बसों की हालत कंडम

बस ऑपरेटर्स का कमाल, पहिया, गेट और इंजन के पार्ट्स गायब

इंदौर, एजेंसी। एआईसीटीएसएल (अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड) कंपनी शहर की लाइफ लाइन बन चुकी अपनी सिटी बसों की हिफाजत नहीं कर पा रहा है। चंदन नगर डिपो से सिटी बसों के पार्ट्स गायब हो रहे हैं। इसी कारण एक-दो नहीं, बल्कि 10 से ज्यादा बसें कंडम हालात में पहुंच गई हैं। ये बसें थोड़े से काम के बाद सड़क पर चलने लायक हो सकती थीं। एआईसीटीएसएल शहर में 40 से 45 रूट पर 250 से ज्यादा सिटी बसें चला रहा है। इनमें से अक्सर 15 से 20 बसें ऑफ रूट यानी खराब होती रहती हैं। इन बसों को अलग-अलग हिस्सों में बने डिपो में सुधरने के लिए खड़ा किया जाता है। एक डिपो चंदन नगर में भी बना है। भास्कर रिपोर्टर इस डिपो में पहुंचा तो 15 बसें खड़ी मिलीं। बताया जाता है कि ये दो साल से यहीं पर हैं। समय के साथ इन बसों के पार्ट्स गायब होते गए। अब इनमें पहिए, गेट, इंजन के कलपुर्जे, कैमरे जैसे सामान नहीं हैं। पहिए नहीं होने पर पत्थर और अन्य सामान के सहारे इन्हें टिकाकर खड़ा किया है। सूत्रों का कहना है कि यह कमाल बस ऑपरेटर्स का है। जरूरत होने पर यहां से बसों के पार्ट्स निकालकर दूसरी बसों में लगा दिए, जबकि नियमानुसार ऐसा नहीं किया जा सकता है। यदि बहुत ज्यादा स्थिति ऐसी बनती है कि पार्ट्स मिल नहीं रहे हैं तो सिटी बस कंपनी की अनुमति लेकर पार्ट्स निकाले जा सकते हैं, लेकिन उन्हें फिर से लगना रहता है।

40% राशि सरकार ने दी, इसलिए ये शासन की संपत्ति

यहां एआईसीटीएसएल की सिटी बसों के अलावा अमृत प्रोजेक्ट और सूत्र सेवा की बसें भी खड़ी रहती हैं। 65 बसें आइशर कंपनी की हैं, जो एआईसीटीएसएल ने खरीदी। वहीं, सूत्र सेवा और अमृत प्रोजेक्ट के तहत खरीदी गई बसों के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने 40 प्रतिशत राशि दी। ऐसे में ये बसें सरकार की संपत्ति है, न कि ऑपरेटर की। सूत्रों का कहना है कि सिटी बस कंपनी के कर्मचारियों को इसकी पूरी जानकारी है, लेकिन वरिष्ठ अफसरों को इस बारे में नहीं बताया। बताया जाता है कि बचाव के लिए ऑपरेटर को नोटिस दिया। हालांकि किस ऑपरेटर को नोटिस दिया, यह कहने से बच रहे हैं।

राजस्व न्यायालयों के प्रकरण में अनियमितता पर गिरी गाज

इंदौर एजेंसी। गौरतलब है कि करीब एक सप्ताह पूर्व कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर सपना लोवंशी, रोशन राय व गौरव बैनर ने राजस्व न्यायालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया था। निरीक्षण में पटवारी व राजस्व निरीक्षकों को प्रकरणों को लंबित रखने व उनके द्वारा रिपोर्ट कई महीनों से पेंडिंग रखी गई थी। कुछ पटवारी के खिलाफ आदेश के अमल के लिए लोगों से पैसे मांगने की शिकायत हुई थी।

बाबा साहेब आंबेडकर को गार्ड ऑफ ऑनर आतिशबाजी से रोशन हुई उनकी जन्मस्थली

इंदौर एजेंसी। बाबा साहेब आंबेडकर जयंती 2024 के मौके पर उनकी जन्मस्थली महू में महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। शनिवार रात 12 बजे से ही कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई है। काली पल्टन स्थित भीम जन्मभूमि स्मारक पर आंबेडकर जयंती महोत्सव हो रहा है। रात 12 बजे समता सैनिक दल ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को गार्ड ऑफर ऑनर दिया। रात 12.01 बजे रंगारंग आतिशबाजी भी की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में डॉ. आंबेडकर के अनुयायी मौजूद रहे। रविवार सुबह मुख्य आयोजन होगा, जिसमें करीब 2 लाख लोगों के पहुंचने की संभावना है। महू में बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती के मौके पर कई राजनीतिक दलों के नेता भी 14 अप्रैल को बाबा साहेब की जन्मभूमि पर आकर माल्यार्पण करेंगे। इस बार आचार संहिता के चलते कोई भी राजनीतिक आयोजन महू में नहीं हो रहा है। सभी दलों के नेता यहां अंबेडकर जयंती पर जन्मस्थली पहुंच कर प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे।

गड़बड़ी करने वाले 5 पटवारी और आरआई सस्पेंडः रेवेन्यू में मिली लापरवाही; बेवजह कई कामों को रोका, लेन-देन की भी शिकायतें

इंदौर, एजेंसी। कलेक्टर आशीष सिंह ने गड़बड़ी पाए जाने पर पांच पटवारियों व एक आरआई को सस्पेंड कर दिया है। करीब एक हफ्ते पहले कलेक्टर ने अपर कलेक्टरों की टीम बनाकर अवकाश के दिन सभी रेवेन्यू कोर्ट खुलवाकर निरीक्षण किया था। इसमें कई प्रकार की बड़ी गड़बड़ियां मिली। कलेक्टर ने इसकी पुष्टि की है। जिन पटवारियों को सस्पेंड किया गया है वे रोशिता तिवारी (मल्हारगंज), हरीश शर्मा (मल्हारगंज), ओम परवार (बिचौली हप्सी), प्रभुदयाल मुकाती (जूनी इंदौर) और नितेश राणा (राऊ) हैं। इनमें रोशिता तिवारी और हरीश शर्मा को भू अभिलेख में अटैच किया गया। ओम परवार को हातोद, प्रभुदयाल मुकाती को महू और नितेश राणा को देपालपुर अटैच किया गया है। आरआई सुबोध टैनी को भी सस्पेंड किया गया है।

यह है मामला

- इन छह के खिलाफ लेन-देन की भी कई शिकायतें थी।
- अधिकारियों ने जो जांच की थी उसमें पाया कि कई काम थोड़े से रिमार्क के कारण काफी समय से रोके गए थे।
- यह भी जानकारी मिली थी कि कई काम इसलिए रोके गए क्योंकि संबंधित से रुपए नहीं मिले थे।
- ये लोग नामांकन, बटांकन, सीमांकन से जुड़े कामों को लेकर काफी परेशान कर रहे थे। बिना लिए कोई फाइल आगे नहीं बढ़ाते थे।
- अभी और भी शिकायतों की जांच चल रही है। कुछ और पर भी ऐसी कार्रवाई हो सकती है।

बुकिंग लोकेशन से घर पहुंचा रैपिडो ड्राइवर, दो मोबाइल और लैपटॉप चुराकर भागा

इंदौरएजेंसी। इंदौर में रैपिडो ड्राइवर ने बुकिंग लोकेशन पर पहुंचकर दो मोबाइल और लैपटॉप चुरा लिए। उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बुकिंग की लोकेशन से आरोपी ड्राइवर एक युवक के घर पहुंचा था और घर पर ही चोरी कर ली। पुलिस थाना लसूड़िया पर फरियादी राज शेखर पिता रमापद दत्त उम्र 27 साल निवासी बापजी नगर ने रिपोर्ट में बताया कि सात अप्रैल को रात करीब साढ़े 12 बजे रेपिडो से विजयनगर मंगल सिटी जाने के लिए बुकिंग की। किराया ज्यादा लगा तो उसने बुकिंग कैंसिल कर दी। इसके बाद रेपिडो ड्राइवर फरियादी के घर पहुंचा और गेट खटखटाया। गेट खोला तो रेपिडो वाले ने फरियादी से पानी मांगा। इसके बाद साथी के साथ घर में घुसा और दो मोबाइल छीन लिए

और एक लैपटॉप बैग सहित उठा लिया। इसके बाद में दोनों आरोपी धक्का-मुक्की करके भाग गए।

पढ़ाई करने आया था आरोपी

शिकायत पर मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। मामले में पुलिस ने शिवम और उसके साथी निखिल सिंह गहरवार उम्र 21 साल निवासी गांव- पटेरा, थाना कोतवाली जिला सीधी को गिफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से मोबाइल और लैपटॉप भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस ने स्कूटी भी जब्त कर ली है। पुलिस ने बताया कि शिवम पढ़ाई करने इंदौर आया था फिर पार्ट टाइम जॉब करने लगा। अब पुलिस उससे अन्य वारदातों में भी पूछताछ कर रही है।

इंदौर का ट्रैफिक सुधारने के लिए सड़कों पर उतरे छात्र, अभ्यास मंडल ने दिया मार्गदर्शन

इंदौर एजेंसी। शहर के यातायात सुधार जन जागरूकता अभियान की चौथी कड़ी में अभ्यास मंडल ने आज सुबह सत्य साई चौराह विजय नगर पर यातायात संभाला। चौराहे पर यातायात में भी नंबर वन आने के लिए चालकों को सीख दी गई। प्रो सीमा सिंह, प्रो डा किन्जाल शाह के नेतृत्व में गुजराती इनवोटिव कॉलेज एनएसएस के 30 छात्र, छात्राओं तथा समाजकार्य महाविद्यालय के गीतांजली, संस्कार पटेल ने मोर्चा संभाला। सत्यसाई चौराह के सभी सिग्नल पाइंट पर अभ्यास मंडल कार्यकर्ता, छात्र छात्राओं, यातायात पुलिस ने, हाथों में जन जागरूकता की तख्तियां लेकर यातायात सुगमता से संचालित किया। नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों का सम्मान गुलाब के फूल देकर किया गया। यातायात प्रबंधन पुलिस उपायुक्त अरविंद तिवारी और छात्रों ने किया। अभ्यास मंडल द्वारा तैयार किया गया यातायात नियमों के पालन करने का स्टीकर भी गाड़ियों पर लगाया गया। प्रारंभ में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुशील कुमार तिवारी, यातायात प्रशिक्षक रणजीत सिंह, सुमंतसिंह ने सभी छात्र छात्राओं को यातायात संभालने के लिए प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर यातायात पुलिस उपायुक्त महानगर अरविंद तिवारी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुशील कुमार तिवारी, थाना प्रभारी लाल बहादुर बौद्ध, निरीक्षक आशा तिवारी, राजेश बारवाल उनकी टीम के साथ उपस्थित थे। यातायात पुलिस उपायुक्त अरविंद तिवारी ने अभ्यास मंडल की इस पहल का स्वागत किया। वरिष्ठ नागरिकों ने कहा कि आने वाले समय में इसका फायदा होगा। पूरे शहर को एक अच्छा संदेश दिया जा रहा है।

यातायात सुधार के अच्छे कार्य में भाग ले रहे छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। अभ्यास मंडल के रामेश्वर गुप्ता, गौतम कोठारी, डॉ शंकर गर्ग, शफी शेख, मुरली खंडेलवाल, स्वप्निल व्यास, किशन सोमानी, सुशीला यादव, गिरीश सेठ, द्वारका मालविया उपस्थित थे। संचालन माला सिंह ठाकुर और एन के उपाध्याय ने किया। यातायात प्रबंधन के इस अनूठे आयोजन में गुजराती कालेज की प्रो श्रृद्धा कटारिया, प्रो स्वीटी कुलकर्णी, प्रो प्राची मोटवानी आदि भी उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश में जारी रहेगा तूफानी बारिश का दौर, ओले भी पड़ेंगे

इंदौर एजेंसी। मध्य प्रदेश में मौसम बदल गया है। मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में तेज आंधी के साथ जोरदार बारिश देखी जा रही है। कुछ इलाकों में ओले भी पड़े हैं। तेज बारिश और ओले गिरने से किसानों को भारी नुकसान पहुंचा है। खेतों में कटी गेंहू की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग ने हाल फिलहाल में बारिश और खराब मौसम से राहत मिलने के आसार नहीं जताए हैं। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश में 15 अप्रैल तक मौसम खराब रहने का पूर्वानुमान जताया है। मौसम विभाग के मुताबिक, एक पश्चिमी विक्षोभ ईरान के पूर्वी हिस्से और अफगानिस्तान पर एक्टिव है। यही नहीं दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन के रूप में एक निम्न दबाव का क्षेत्र मौजूद है। एक ट्रफ रेखा राजस्थान से यूपी, बिहार होते हुए झारखंड तक फैली नजर आ रही है। एक अन्य ट्रफ केरल कर्नाटक से होते हुए गोवा

तक फैला है। असम पर भी एक वेदर सिस्टम एक्टिव है। इन मौसमी सिस्टम का प्रभाव उत्तर पश्चिमी और मध्य भारत के विभिन्न हिस्सों तक देखा जा रहा है। मौसम विभाग की मानें तो इन वेदर सिस्टम के प्रभाव से मध्य प्रदेश में 15 अप्रैल तक मौसम खराब रहेगा। ढ्ढरूष्ठ ने 14 और 15 अप्रैल को मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में गरज, चमक और तेज हवाओं के साथ छिटपुट से लेकर काफी व्यापक रूप से बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। कुछ जगहों पर ओले पड़ने की संभावना भी जताई गई है। मौसम विभाग ने इसको लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने 15 अप्रैल को भी मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की है। ढ्ढरूष्ठ ने इसको लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। कुछ इलाकों में ओले गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है। इसके बाद से मौसम साफ होने लगेगा। मौसम विभाग ने 14 और 15 अप्रैल यानी आज और कल दोनों दिन मौसम के खराब रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश के अधिकांश इलाकों में मौसम के खराब रहने का पूर्वानुमान जारी किया है।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन से जल्द ही निपटना होगा

जलवायु परिवर्तन अब कोई दूर की चिंता नहीं बल्कि वर्तमान वास्तविकता है जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। गर्म मौसम से लेकर समुद्र के बढ़ते स्तर और संसाधनों की कमी तक इसका प्रभाव विश्व स्तर पर महसूस किया जा रहा है। हालांकि, इन चुनौतियों के भीतर पर्यावरण के प्रति जागरूक निर्णय लेने का अवसर भी छिपा है। शहरी खेती, जिसे कभी विशिष्ट माना जाता था, अब जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए एक व्यावहारिक प्रतिक्रिया के रूप में पहचानी जाती है। शहरी स्थानों को टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तित करके, शहरी खेती में हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन को बदलने और अधिक लचीला भविष्य बनाने की क्षमता है। जलवायु परिवर्तन से निपटने की तत्काल आवश्यकता है। डब्ल्यू.एच.ओ. का अनुमान है कि 2030 के दशक तक मलेरिया और तटीय बाढ़ जैसी जलवायु संबंधी बीमारियों के कारण वार्षिक 250,000 अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं। तापमान, पिघलती बर्फ की परतें और अधिक बार होने वाली गर्म मौसम की घटनाएं अस्थिर प्रथाओं के परिणामों में से हैं। अब कार्रवाई करने का समय आ गया है और शहरी खेती आगे बढ़ने का एक आशाजनक मार्ग प्रस्तुत करती है।शहरी खेती में शहरों के भीतर और आसपास फसलों की खेती शामिल है। यह प्रथा न केवल ताजा, स्थानीय रूप से उगाई गई उपज प्रदान करती है बल्कि इसके कई पर्यावरणीय लाभ भी हैं। भोजन की लंबी दूरी के परिवहन की आवश्यकता को कम करके, शहरी खेती कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करती है। इसके अलावा, जैविक कृषि पद्धतियों के उपयोग से मिट्टी के स्वास्थ्य और जैव विविधता में सुधार हो सकता है, जो जलवायु लचीलेपन में और योगदान दे सकता है। शहरी खेती के प्रमुख लाभों में से एक कम उपयोग वाले शहरी स्थानों को जैविक खाद्य उत्पादन केंद्रों में बदलने की क्षमता है। खाली जगहों, छतों, बालकनियों और यहां तक कि खड़ी सतहों को खेती के लिए पुनः उपयोग किया जा सकता है, जिससे शहरी क्षेत्रों के बीचों-बीच हरित स्थान तैयार किया जा सकता है। यह न केवल शहरों की सौंदर्य अपील को बढ़ाता है बल्कि शहरी ताप द्वीप प्रभाव को कम करने में भी मदद करता है, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बढ़ा सकता है। शहरी खेती सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक एकजुटता को भी बढ़ावा देती है। भोजन उगाने और सांझा करने के लिए लोगों को एक साथ लाकर, शहरी फार्म सामाजिक बंधन को मजबूत कर सकते हैं और अपनेपन की भावना पैदा कर सकते हैं। यह घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है जहां सामाजिक अलगाव एक बढ़ती चिंता का विषय है। इसके अलावा, शहरी खेती स्थानीय निवासियों, विशेषकर वंचित समुदायों के लिए आर्थिक अवसर प्रदान कर सकती है। शहरी खेती की क्षमता को पूरी तरह से साकार करने के लिए सहायक नीतियों और प्रोत्साहनों की आवश्यकता है। जबकि कुछ राज्य सरकारों ने सबसिडी प्रदान करके अपना समर्थन बढ़ाया है और इस प्रकार शहरी खेती के लिए एक सक्षम वातावरण तैयार किया है, नीति निर्माता इस स्थायी अभ्यास को बढ़ाने और इसे अधिक लोगों के लिए सुलभ बनाने में मदद कर सकते हैं। शहरी खेती में जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में गेम चेंजर बनने की क्षमता है। शहरी स्थानों को टिकाऊ आश्रयों में परिवर्तित करके, शहरी खेती कार्बन उत्सर्जन को कम करने, खाद्य सुरक्षा में सुधार करने और शहरी क्षेत्रों की लचीलापन बढ़ाने में मदद कर सकती है। हालांकि, इस क्षमता को साकार करने के लिए नीति निर्माताओं, समुदायों और व्यक्तियों के ठोस प्रयासों की आवश्यकता होगी। अब समय आ गया है कि जलवायु परिवर्तन के समाधान के रूप में शहरी खेती को अपनाया जाए और अधिक टिकाऊ भविष्य की दिशा में काम किया जाए।

सोशल मीडिया से...

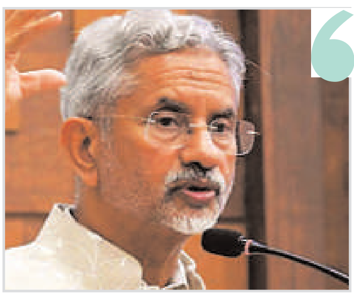

2014 के बाद से भारत की विदेश नीति में बदलाव आया है और आतंकवाद से निपटने का यही तरीका है। आतंकवादी नियमों से नहीं खेलते तो फिर पलटवार नियमों के तहत कैसे होगा।

एस जयशंकर
विदेश मंत्री

छत्तीसगढ़ श्रीराम की तपोभूमि रही है। यहां के आदिवासी वोट बैंक नहीं बल्कि देश के गौरव हैं। कांग्रेस बिग बॉस का शो बन गई है। इनके नेता एक-दूसरे का कपड़ा फाड़ रहे हैं। आने वाले समय में भारत की राजनीति से इनका सफाया हो जाएगा। 10 साल बाद बच्चे पूछेंगे कि क्या है कांग्रेस।

राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

हमारे परिवार ने देश के लिए खून दिया। ये मेरे परिवार को कितनी भी गालियां दें, मेरे शहीद पिता का अपमान करें, लेकिन हम चुप रहते हैं, क्योंकि ये हमारे संघर्ष को नहीं समझते। हम चुप रहते हैं, क्योंकि इस देश के लिए आस्था और सच्ची श्रद्धा हमारे दिल में है। हमारी सरकार आई तो अग्रिवीर योजना को खत्म करेंगे।

प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस नेता

जेल के नियम 602 और 605 के मुताबिक, फेस-टु-फेस मीटिंग कराई जा सकती है। खूंखार अपराधियों की भी परिवारवालों से बैरक में मुलाकात होती है, लेकिन सुनीता को जेल प्रशासन ने कांच की खिड़की के जरिए मिलने की इजाजत दी है। प्रशासन भाजपा के दबाव में है।

संजय सिंह, आप नेता

आज का कार्टून

ज्यादा जान कर क्या करेंगे मतदाता?

अजीत द्विवेदी

> अगर भारत के मतदाता उम्मीदवार की गुणवत्ता को ध्यान में रख कर मतदान करते तो देश की संसद और राज्यों की विधानसभाओं की तस्वीर कुछ और होती। जब से हलफनामा देकर सारी सूचना देने का नियम बना है तब से संसद और विधानसभाओं में आपराधिक छवि के सदस्यों की संख्या में इजाफा होता गया है। उसी अनुपात में करोड़पति और अरबपति सदस्यों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। कर्जदार सांसदों की संख्या में भी बढ़ोतरी ही हुई है। हलफनामा देकर चुनाव लड़ने का नियम बनने के बाद पांच लोकसभा चुनाव हुए हैं। हर बार आपराधिक छवि वाले और करोड़पति सांसदों की संख्या बढ़ती गई है। 17वीं लोकसभा, जिसका कार्यकाल जून में समाप्त होगा, उसमें एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी एडीआर के मुताबिक 43 फीसदी सांसद दागी हैं और 88 फीसदी सांसद करोड़पति हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने ठीक कहा है कि उम्मीदवारों की भी निजता है और मतदाताओं के सामने उनकी सारी जानकारी देने की बाध्यता नहीं होनी चाहिए। अदालत ने एक अहम फैसले में कहा है कि जिस बात का मतदाताओं से सरोकार नहीं हो या मतदान पर जिससे असर नहीं पड़ता हो उसके बारे में उम्मीदवारों को अपने हलफनामे में बताने की जरुरत नहीं है। सर्वोच्च अदालत ने साफ कर दिया है कि इस तरह की जानकारी अगर हलफनामे में नहीं दी गई है तो उस आधार पर किसी उम्मीदवार की जीत को चुनौती नहीं दी जा सकती है और न उसकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है।

यह फैसला बहुत स्पष्ट है और अरुणाचल प्रदेश के एक विधायक के खिलाफ दायर याचिका पर आया है। असल में अरुणचाल प्रदेश के जीते हुए विधायक ने अपनी पत्नी की गाड़ियों के बारे में अपने हलफनामे में जानकारी नहीं दी थी। इस आधार पर हारने वाले उम्मीदवार ने याचिका दायर की थी। अदालत ने याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि अगर कोई बहुत महंगी चीज की जानकारी छिपाई गई हो, जिससे उम्मीदवार के वैभवपूर्ण जीवन की जानकारी मिलती हो तब कार्रवाई हो सकती है लेकिन छोटी मोटी चीजों की जानकारी मायने नहीं रखती है।

सर्वोच्च अदालत की बात तार्किक और समय के हिसाब से जरूरी है। अदालत के इस अहम फैसले के बाद एक बार फिर चुनावों के समय उम्मीदवारों की ओर से दिए जाने वाले हलफनामे के नियम पर फिर से विचार करने की जरुरत है। हलफनामे में संपत्ति, कर्ज, शिक्षा, आपराधिक मामले आदि की जानकारी देने का नियम कोई दो दशक पहले बना था।

उस समय केंद्र में भाजपा की सरकार थी, जिसने इस नियम का विरोध किया था। सरकार इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट तक गई थी और कहा था कि चुनाव आयोग अपने आप नियम नहीं बना सकता है। सरकार का कहना था कि इसके लिए जन प्रतिनिधित्व कानून में संशोधन करना होगा और संवह सद के जरिए ही होगा। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया था और कहा था कि चुनाव आयोग ने जो किया है वह स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने की उसकी जिम्मेदारी के निर्वहन से जुड़ा हुआ है। इसके लिए कानून में बदलाव की जरुरत नहीं है।

सो, यह नियम लागू हो गया। अब हर प्रत्याशी को चुनाव लड़ने के लिए नामांकन पत्र भरते समय अपने और परिवार के बारे में सारी जानकारी देनी होती है। उस बताना होता है कि उसने कहां तक पढ़ाई की है, उसकी वैवाहिक स्थिति क्या है, उसके बच्चे कितने है, चल और अचल संपत्ति कितनी है, कर्ज कितना है, कितने मुकदमे चल रहे हैं आदि आदि। इतना ही नहीं पार्टियों को भी उम्मीदवारों के बारे में ब्योरा अखबारों में छपवाना पड़ता है ताकि आम लोग अपने उम्मीदवार के बारे में जान सकें।

अब सवाल है कि उम्मीदवार के बारे में इतना सब कुछ जान लेने से क्या होता है? क्या इससे मतदाता का मतदान व्यवहार प्रभावित होता है? क्या वह मतदान की अपनी प्राथमिकता इस आधार पर तय करता है कि उम्मीदवार कितना पढ़ा लिखा है या उसके ऊपर आपराधिक मुकदमे हैं या नहीं या उसकी संपत्ति कितनी है? पिछले दो दशक के अनुभव के आधार पर कहा जा सकता है कि मतदान व्यवहार या मतदान की प्राथमिकता पर इसका बहुत कम असर होता है। कह सकते हैं कि इसका असर नगण्य होता है।

अगर भारत के मतदाता उम्मीदवार की गुणवत्ता को ध्यान में रख कर मतदान करते तो देश की संसद और राज्यों की विधानसभाओं की तस्वीर कुछ और होती। जब से हलफनामा देकर सारी सूचना देने का नियम बना है तब से संसद और विधानसभाओं में आपराधिक छवि के सदस्यों की संख्या में इजाफा होता गया है। उसी अनुपात में करोड़पति और अरबपति सदस्यों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। कर्जदार सांसदों की संख्या में भी बढ़ोतरी ही हुई है। हलफनामा देकर चुनाव लड़ने का नियम बनने के बाद पांच लोकसभा चुनाव हुए हैं। हर बार आपराधिक छवि वाले और करोड़पति सांसदों की संख्या बढ़ती गई है। 17वीं लोकसभा, जिसका कार्यकाल जून में समाप्त होगा, उसमें एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी एडीआर के मुताबिक 43 फीसदी सांसद दागी हैं और 88 फीसदी सांसद करोड़पति हैं।

इसके मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव में 543 सीटों में से 233 सीटों पर यानी 43 फीसदी सीटों पर ऐसे सांसद जीते हैं, जिनके खिलाफ किसी न किसी तरह का आपराधिक मुकदमा दर्ज है। एडीआर के मुताबिक 2009 और 2014 के मुकाबले 2019 में आपराधिक छवि वाले सांसदों की संख्या में 44 फीसदी की बढ़ोतरी हो गई। 159 यानी 29 फीसदी तो ऐसे सांसद हैं, जिनके खिलाफ हत्या, बलात्कार या अपहरण जैसे गंभीर अपराध से जुड़े मुकदमे दर्ज हैं। सोचें, मुकदमे के बारे में जानकारी देने का नियम बनने के बाद से आपराधिक छवि वालों की संख्या बढ़ती गई है ! इसी तरह 2009 में हुए लोकसभा चुनाव में 58 फीसदी करोड़पति सांसद जीते थे, 2019 में करोड़पति सांसदों की संख्या बढ़ कर 88 फीसदी हो गई। यानी 10 साल में 30 फीसदी का इजाफा हो गया।

जहां तक शिक्षा का मामला है तो उसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है क्योंकि आए दिन किसी न किसी सांसद या विधायक की फर्जी डिग्री का मामला सामने आता रहता है। देश में डिग्री बांटने वाले इतने संस्थान हैं कि वह दिन बहुत दूर नहीं है जब देश के हर आदमी के पास उच्च शिक्षा की डिग्री होगी। वैसे 17वीं लोकसभा में 128 यानी 24 फीसदी सांसद ऐसे हैं, जिन्होंने हलफनामे में बताया है कि वे सिर्फ 12वीं तक पढ़े हैं। यानी इंटर पास हैं। एक सांसद ने तो अपने को महज साक्षर और एक अन्य ने निरक्षर बताया है। इससे यह भी जाहिर होता है कि जिस तरह से किसी उम्मीदवार के दागी होने या करोड़पति होने से मतदाता की प्राथमिकता प्रभावित नहीं होती है उसी तरह उसके शिक्षित या कम शिक्षित या अशिक्षित होने से भी मतदान व्यवहार पर असर नहीं पड़ता है।

हालांकि इस तरह के आंकड़े प्रस्तुत करने और उनकी निरर्थकता बताने का यह मतलब नहीं है कि ये फिजूल के नियम हैं और इनसे उम्मीदवार के साथ साथ चुनाव अधिकारी का भी समय बरबाद होता है। इस नियम को लागू करने के पीछे की मंशा सही थी। परंतु मुश्किल यह है कि इस तरह के किसी भी नियम से सामने आने वाली जानकारी देश के मतदाताओं के मतदान व्यवहार को प्रभावित नहीं करती है। इसका कारण यह है कि भारत में दलगत राजनीति का सिस्टम इतनी गहराई तक जड़ जमा चुका है कि मतदाता उम्मीदवार के व्यक्तिगत गुण या दोष की ओर ध्यान ही नहीं देते हैं। वे हमेशा पार्टी को देखते हैं या पार्टी के सर्वोच्च नेता को देख कर मतदान करते हैं।

अब तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उम्मीदवार की व्यक्तिगत उपस्थिति को और नगण्य बना दिया है यह कह कर कि हर जगह उम्मीदवार कमल का फूल है। पूरे देश में उनको प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट मांगा जा रहा है। इसलिए उम्मीदवार का कोई खास मतलब नहीं रह गया है। मतदाताओं के लिए पार्टी और सर्वोच्च नेता के बाद जो सबसे महत्वपूर्ण चीज होती है वह उम्मीदवार की जाति होती है। तभी सभी पार्टियां सामाजिक समीकरण बैठाने पर जोर देती हैं। कभी यह नहीं सुना गया कि किसी पार्टी ने टिकट देने का पैमाना यह बनाया हो कि उम्मीदवार पढ़ा-लिखा, साफ-सुथरी छवि का और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहा हो। तभी हलफनामा देकर जानकारी देने की व्यवस्था के साथ साथ अगर पार्टियां भी उम्मीदवार के गुण दोष को महत्व देना शुरू करें तभी संसद और विधानसभाओं की तस्वीर में कुछ गुणात्मक बदलाव आ पाएगा।

कामयाबी की कसौटी...

अमन आकाश

हर वर्ष दसवीं-बारहवीं की परीक्षाओं के परिणाम आने के बाद सबसे ज्यादा अंक लाने वाले बच्चों के अभिभावक बेहद खुश होते हैं। बच्चों को शुभकामनाएं देकर, मिठाइयां खिलाकर उनका प्रोत्साहन करते हैं। यह होना भी चाहिए। सोशल मीडिया, पबजी, इंस्टाग्राम रील, समाज में बढ़ती नशाखोरी के दौर में बच्चे अगर इन सबसे दूर रहकर परीक्षाओं में बेहतर परिणाम ला रहे हैं तो उनका अभिनंदन बनता है। उनको फूलमालाएं पहनाई जानी चाहिए, मिठाइयां बांटी जानी चाहिए। पर इस सब के बीच एक चीज खटकती है। उन हजारों बच्चों के अभिभावक और समाज कहां होते हैं, जो द्वितीय या तृतीय श्रेणी में पास करते हैं। वे पास तो कर जाते हैं, मगर उनका नंबर कम आता है। कायदे से उन अभिभावकों को भी हिम्मत दिखानी चाहिए कि शाम को अपने बच्चे को लेकर मिठाई खिला आएं या उनके द्वितीय या तृतीय श्रेणी में पास करने की खुशी सोशल मीडिया पर साझा करें। असली प्रोत्साहन की जरूरत उन्हें है। प्रथम श्रेणी में न आकर वे बच्चे कर्महीन या फिसड्डी नहीं हो जाते हैं। दरअसल शिक्षा की नींव ही हमने गलत रखी है। कक्षाओं में शिक्षकों को वे बच्चे ज्यादा पसंद आते हैं, जिन्हें पाठ जल्दी याद होता है। जो शब्दों के अर्थ झट से बता देते हैं। जो गणित के हिसाब ठीक-ठीक लगा लेते। न्यूटन के नियम से लेकर आर्किमिडीज का सिद्धांत, किसी जटिल पहाड़े से लेकर संस्कृत के श्लोक या धातु रूप जिनकी जबान पर रहता है। जो समय से कक्षा में आकर बैठ जाते हैं और जिनके घरों से उनकी शिकायतें न के बराबर आती हैं। स्वभाविक है कि ऐसे ही विद्यार्थियों को पाकर शिक्षक सुरक्षित महसूस करते हैं। कोचिंग की कक्षाओं की भी यही परंपरा है। चाहे शिक्षक लाख कह लें कि सभी विद्यार्थी हमारे लिए समान हैं, लेकिन यह संभव नहीं हो पाता। पीछे की बेंचों पर बैठने वालों से उनको कम उम्मीद रहती है।

संयोग से पास हो गए तो श्रेय मिलना ही है और नहीं हुए तो यह तमगा कि 'पढ़ने-लिखने में तो मन लगता नहीं था तुम्हाराज. आवारागर्द कहीं के !' सही है कि हर कक्षा में कुछ बच्चे होते हैं, जिनका पढ़ने में मन नहीं रमता। कभी सिनेमा देखने निकल गए तो कभी क्रिकेट खेलने चल पड़े दूर गांव में। ज्यादा से ज्यादा क्या होगा ! अगले दिन चार छड़ी खा लेंगे। घर में शिकायत चली भी गई तो देखा जाएगा। ये कोशिश करते भी हैं पढ़ने की, लेकिन रट नहीं पाते। 'बालकस्य' की जगह 'बालकान' कहने पर इनके कान खींचे जाते, किसी कम प्रचलित शब्द का अर्थ अचानक पूछ दिया जाए तो नहीं बता पाने पर इनके सम्मान में कमी हो जाती। दसवीं तक ऐसे ही मूल्यांकन होता है। पहले की परंपरा आज भी कायम है। सबको याद होगा कि कक्षा में पीछे बैठने वाले उनके दोस्त कोई द्वितीय तो कोई तृतीय श्रेणी से मैट्रिक पास कर गए, पर वे फिसड्डी नहीं थे। जितनी हीनभावना से उन्हें देखा गया था, उतने के वे अधिकारी नहीं थे। वे उच्चतर शिक्षा हासिल नहीं कर पाए। उनमें से कोई प्रशासनिक सेवाओं या इंजीनियर-चिकित्सक बनने की परीक्षा की तैयारी के लिए कोटा-दिल्ली नहीं जा पाया। कोई सरकारी नौकरी के चक्कर में दस साल से एक ही कमरे में घिस नहीं रहा। मगर आज वैसे तमाम दोस्त जिंदगी की पाठशाला में अव्वल दर्जे पर हैं। अपने पूरे परिवार को संभाल लिया है उन दिनों के लापरवाह कक्षा में पीछे बैठने वाले दोस्तों ने। आज परीक्षाओं की तैयारी करने वाला कोई जब दिल्ली-मुंबई में कहीं उन दोस्तों के कमरों पर परीक्षा के सिलसिले में जाता है तो वही दोस्त कहते हैं कि 'भाई तू आराम से यहां रह, मस्त परीक्षा दे बिना किसी तनाव के। तेरा दोस्त कमा रहा है न.. !' उन्हें उनके शिक्षक दुत्कारा करते थे।

शाम को निजी कंपनी की नौकरी से थके-हारे दफ्तर से लौटकर जब वे कमरे पर लौटते हैं तो खुलते हैं पिछले दिनों की किताबों के पन्ने। ठहाके लगते हैं। चेहरों पर रौनकें आती हैं, कुछ यादें गुदगुदा जाती हैं, कुछ मायूस कर जाती हैं जब हंसते-हंसाते वे कहते हैं कि 'भाई पिछले साल छत ढलवा लिया था, इस साल सोच रहा हूं थोड़े पैसे बचाकर प्लास्टर करवा लूं। ये सब भी तो जरूरी है यार। और सोच रहा हूं मम्मी को एक सोने की चेन बनवाकर दे दूं। देखते हैं दिवाली के वक्त तक 'ओवरटाइम' लगाकर भी कुछ कर ही लेंगे।'

कक्षाओं में पीछे बैठने वाले वे दोस्त स्कूल के दिनों में अरस्तू या सुकरात का फलसफा नहीं रटा था, पर जिंदगी के फलसफे में इनका कोई सानी नहीं। गुरुजी आप गलत थे, वे असफल नहीं हुए। आज भी जो बच्चे पीछे की बेंच पर चुपचाप बैठ रहे होंगे, जिन पर कोई ध्यान नहीं देता होगा, जिनको उनके शिक्षक केवल फीस लेने के समय ही टोकते होंगे, वे बच्चे भी बड़ी शांति से अपनी जिम्मेदारियां निभा जाएंगे। दो जोड़ दो बराबर चार तपाक से बता देना काबिलियत नहीं, बल्कि दो जोड़ दो चार कैसे किया जाए, असल काबिलियत यह है। उम्मीद है कि कक्षा में पीछे बैठने वाले दोस्तों की पीढ़ी जब पिता के पद को प्राप्त करेगी, तब अपने बच्चों के द्वितीय या तृतीय श्रेणी पर भी वैसे ही खुशी मनाएगी, जैसे आज का समाज सिर्फ प्रथम को स्वीकारता है.. !

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती

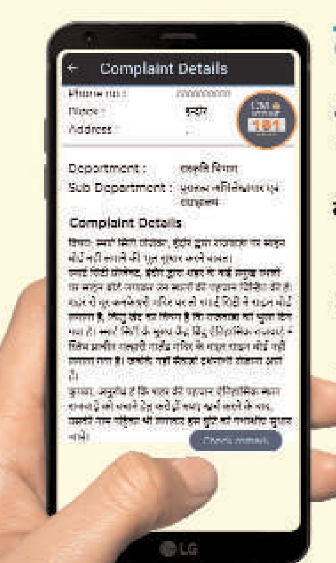

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमें उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्सएप करें, कॉल न करें।
व्हाट्सऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बिजली की मांग बढ़ने से सरकार ने सभी गैस आधारित प्लांट को दो महीने चालू रखने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने इस बार लंबे समय तक गर्मी रहने के अनुमान के कारण बिजली की मांग में वृद्धि को देखते हुए गैस आधारित सभी बिजली उत्पादन स्टेशनों को एक मई से 30 जून तक अपने संयंत्रों को चालू रखने का निर्देश दिया है। गैस-आधारित उत्पादन स्टेशनों (जीबीएस) के एक बड़े हिस्से का वर्तमान में, मुख्यतः व्यावसायिक कारणों से प्रयोग नहीं हो रहा है। मंत्रालय ने इस गर्मी (अप्रैल से जून 2024) में 260 गीगावाट अधिकतम बिजली मांग का अनुमान लगाया है। पिछले साल सितंबर में बिजली की अधिकतम मांग 243 गीगावाट के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। बिजली मंत्रालय के बयान के अनुसार, यह आदेश एक मई, 2024 से 30 जून, 2024 तक बिजली उत्पादन और आपूर्ति के लिए वैध रहेगा। बयान के अनुसार, गैस-आधारित उत्पादन स्टेशनों से अधिकतम बिजली उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने बिजली अधिनियम, 2003 की धारा 11 के तहत सभी गैस-आधारित उत्पादन स्टेशनों को निर्देश जारी किए हैं। इनके तहत सरकार के निर्देश पर एक उत्पादन कंपनी असाधारण परिस्थितियों में किसी भी उत्पादन स्टेशन का संचालन और रख-रखाव कर सकती है।

200 पर जाएगा टाटा स्टील का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप भी टाटा ग्रुप के किसी शेयर पर दांव लगाना चाह रहे हैं तो आपके लिए यह काम की खबर हो सकती है। टाटा ग्रुप की स्टील कंपनी टाटा स्टील के शेयर पर एक नहीं, दो नहीं बल्कि चार-चार ब्रोकरेज फर्म बुलिश हैं और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। ब्रोकरेज के मुताबिक, टाटा स्टील का शेयर जल्द ही 200 रुपये पर जा सकता है। बता दें कि बीते शुक्रवार को टाटा स्टील के शेयर 1 पर्सेंट की गिरावट के साथ 163.50 रुपये पर बंद हुए थे। बीएसई पर इसका 52 वीक का हाई प्राइस 169.75 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 2,04,104.29 करोड़ रुपये है। चार एनालिस्ट टाटा समूह के मेटल स्टॉक टाटा स्टील लिमिटेड को लेकर बुलिश हैं और उन्होंने 200 रुपये के हाई टारगेट प्राइस के साथ इस शेयर को खरीदने और जमा करके रखने की सिफारिश की है। टाटा स्टील को 3 खरीदने की सलाह दी है और एक ने इसे होल्ड रखने की सलाह दी है। प्रभुदास लीलाधर ने 170 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ टाटा स्टील के शेयर के लिए एक्यूमुलेट कॉल की सिफारिश की है। जेफरीज ने टाटा स्टील के शेयर पर बाय की सलाह दी है और टारगेट प्राइस को बढ़ाकर 200 रुपये कर दिया है, जो कि पहले 165 रुपये था। अमेरिका और चीन समेत ग्लोबल मैन्युफैक्चरर एक्टिविटिज में लेटेस्ट रिवाइवल के बाद जेफरीज भारत के मेटल कंपनियों को लेकर उत्साहित है। इस बीच, एक्सिस सिक्योरिटीज ने टाटा स्टील के शेयरों पर 167-177 रुपये प्रति शेयर का टारगेट प्राइस रखा है और बाय रेटिंग दी है। रेलिगेयर ने 177 रुपये के टारगेट के साथ खरीदारी की सलाह दी है। रेलिगेयर ने कहा, हम मेटल पैक में नए सिरे से खरीदारी की दिलचस्पी देख रहे हैं और टाटा स्टील आगे चल रही है। टाटा स्टील के शेयरों में 1 साल में जबरदस्त रिटर्न देखने को मिला है। पिछले 1 साल में स्टॉक ने 51.95 प्रतिशत का रिटर्न दिया। टाटा स्टील के शेयरों ने पिछले 1 महीने में 7 प्रतिशत का रिटर्न दिया, पिछले 1 महीने में 30 प्रतिशत बढ़ गया। पिछले 1 साल में 51.95 प्रतिशत बढ़ गया, और पिछले 3 साल में 92 प्रतिशत बढ़ गया है। पिछले 5 सालों में टाटा स्टील के शेयर 206 प्रतिशत चढ़ गए हैं। बीएसई पर टाटा स्टील स्टॉक का 52-सप्ताह का हाई प्राइस 169.75 रुपये और 52-सप्ताह वीक का लो प्राइस 104.10 रुपये है।

डायमंड हाउस में रहते हैं मेघा इंजीनियरिंग के मालिक पीपी रेड्डी, खड़ा किया हजारों करोड़ का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनावी बॉन्ड योजना में सबसे ज्यादा डोनेशन देने वालों की लस्टि में दूसरे स्थान पर रही मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के अफसरों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। सीबीआई ने हैदराबाद स्थित मेघा इंजीनियरिंगऐंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कंपनी पर आरोप है कि उसने बिलों के भुगतान के लिए कथित तौर पर रिश्वत दी है। मेघा इंजीनियरिंग वही कंपनी है जिसने भारतीय जनता पार्टी को 586 करोड़ का चंदा दिया था। बीजेपी के अलावा इसने बीआरएस, डीएमके समेत कई पार्टियों को करोड़ो का दान दिया है। चुनाव आयोग के 21 मार्च को जारी आंकड़ों के अनुसार, मेघा इंजीनियरिंग ने भाजपा को सबसे अधिक लगभग 586

करोड़ रुपये का चंदा दिया था। इस कंपनी के मालिक पीपी रेड्डी हैं। पीपी रेड्डी देश के अरबपति कारोबारियों की लिस्ट में शामिल हैं वह एक किसान परिवार से आते हैं।

करोड़ों की संपत्ति

पीपी रेड्डी ने महज 5 लाख रुपये की पूंजी के साथ हैदराबाद के बालानगर में एक शेड से मेघा इंजीनियरिंग एंटरप्राइजेज के नाम से कंपनी शुरू की थी। उन्होंने नगर पालिकाओं के लिए पाइप बनाए। उनके भतीजे दो साल बाद कंपनी में शामिल हो गए थे। इसके बाद दोनों लोग धीरे-धीरे सड़कों के निर्माण और छोटे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में काम में लग गए। साल 2006 में कंपनी का नाम बदलकर, मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कर दिया गया था। फोर्ब्स के मुताबिक, पीपी रेड्डी की नेटवर्थ करीब 19,230 करोड़ रुपये है।

डायमंड हाउस

पीपी रेड्डी हैदराबाद के रिहायसी इलाके में 'डायमंड शेप' वाले घर में रहते हैं। उनका घर डायमंड की तरह दिखता है। अब उनका घर शहर की ऐतिहासिक जगहों में शुमार है। पीपी रेड्डी के फार्महाउस में एक गोल्फ कोर्स भी है। मेघा कंपनी की सबसे पॉपुलर परियोजनाओं ज़ोजिला सुरंग का निर्माण है, यह कश्मीर के गांदरबल और कारगिल के द्रास के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करती है। इसके प्रोजेक्ट की लागत करीब 25,000 करोड़ रुपये है।

म्यांमार से दालों का आयात करने के लिए भुगतान तंत्र को सरल बनाया गया : सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने शनिवार को कहा कि म्यांमा से दालों का आयात करने वाले व्यापारियों के लिए भुगतान तंत्र को आसान और सरल बनाया गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आयातकों को पंजाब नेशनल बैंक के जरिए विशेष रुपया वोस्ट्रो खाते (एसआरवीए) के जरिए रुपया/क्यात प्रत्यक्ष भुगतान प्रणाली का उपयोग करने को कहा गया है। भारत घरेलू कमी को पूरा करने के लिए दालों के आयात पर निर्भर है। देश म्यांमा से तुअर और उड़द दाल का आयात करता है। बयान के मुताबिक उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने म्यांमा से दालों का आयात करने के संबंध में यंगून स्थित भारतीय दूतावास के साथ चर्चा की। इस दौरान संशोधित विनिमय दरों और म्यांमार में आयातकों के स्टॉक जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय दूतावास ने सचिव को बताया कि व्यापार लेनदेन को सरल बनाने के लिए इस साल 25 जनवरी से रुपया/क्यात निपटान तंत्र चालू कर दिया गया है। सेंट्रल बैंक ऑफ म्यांमा ने 26 जनवरी, 2024 को एसआरवीए के तहत भुगतान प्रक्रियाओं के लिए दिशानिर्देश जारी किए।

University of Sussex announces scholarships for Indian students worth Rs 10.53 lakh

The university is also introducing an additional £2,000 'Tuition Fee Awards' for those Indian students who enroll in eligible master's programmes within the School of Engineering and Informatics or the University of Sussex Business School.

International desk. The University of Sussex has announced scholarships for Indian students aiming to pursue bachelor's and master's programmes at Sussex starting in September 2024. The scholarship will provide £4,000 to £10,000 worth of financial support. The John Kinghorn Scholarship in Engineering and tuition fee awards are announced for Indian students.

The deadline for applications for the Chancellor's International Scholarship is May 1, while it is September 1 for the Sussex India Scholarship. Interested applicants can apply at sussex.ac.uk/study/fees-funding/masters-scholarships.

As per a University of Sussex statement, this initiative is designed to provide substantial financial support to eligible Indian nationals aiming to pursue master's courses at Sussex starting in September 2024.

The scholarship fund totals £4,000, with the option of the Chancellor's International Scholarship, valued at £5,000, available to exceptional international master's and bachelor's applicants.

As part of the John Kinghorn Scholarship in Engineering (2024), £10,000 will be provided to each of four deserving recipients.

The university is also introducing an additional £2,000 'Tuition Fee Awards' for those Indian students who enroll in eligible master's programmes within the School of Engineering and Informatics or the University of Sussex Business School.

"The Sussex India Scholarship aims to support Indian students in their pursuit of higher education at Sussex. This initiative is a testament to the University of Sussex's ongoing efforts to enhance accessibility to higher education for international students and to support the academic ambitions of students from India," a university statement said.

किशोर बियानी की आर्थिक हालत खराब, मॉल बेचने की आई नौबत, 476 करोड़ का किया सेटलमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारी कर्ज में डूबे फ्यूचर ग्रुप के चेयरमैन किशोर बियानी की आर्थिक हालत खराब है। कभी करोड़ों के मालिक किशोर बियानी को अब अपना मुंबई का सबसे पुराना मॉल भी बेचना पड़ गया है। किशोर बियानी कोरोना महामारी के समय से ही भारी संकट में फंस चुके हैं। कर्ज संकट से जूझ रहे फ्यूचर ग्रुप के मालिक किशोर बियानी को अपना मॉल बेचकर बकाए का भुगतान करना पड़ा है। फ्यूचर ग्रुप ने 476 करोड़ रुपए का वन टाइम सेटलमेंट किया है। कंपनी ने बंसी मॉल मैनेजमेंट कंपनी के लेडर्स को 571 करोड़ रुपए का बकाया दिया है। यह रकम लेंडर्स के लिए 83 फीसदी की बकाया वसूली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह डील के रहेजा कॉर्प की ओर से बीते सोमवार को हुई है। इसमें स्टांप ड्यूटी का भुगतान 28.56 करोड़ रुपए रहा। के रहेजा कॉर्प ने बैंकों को सीधे पेमेंट

किया और इसके बदले में मॉल कंपनी को ट्रांसफर किया गया।

किशोर बियानी ने कर्जदाताओं का भुगतान करने के लिए सोबो मॉल को के. रहेजा कॉर्प को बेच दिया है। फ्यूचर ग्रुप के प्रमोटर बियानी ने 571 करोड़ रुपए के बकाए का एकमुश्त निपटारा कर 476 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। लेनदारों को उनकी कुल राशि का 83 प्रतिशत वापस मिल गया है।

सबसे पुराना मॉल हाथ से निकला

रिपोर्ट के मुताबिक, यह मॉल मुंबई का सबसे पुराना मॉल है। इसका मालिकाना हक बियानी परिवार के पास था लेकिन अब इसे के रहेजा कॉर्प ने खरीद लिया है। इसका नाम एसओबीओ सेंट्रल मॉल है। पहले क्रॉसरोड्स के नाम से जाना जाने वाला, सोबो सेंट्रल देश का पहला मॉल है, जो 1990 के दशक के अंत में दक्षिण मुंबई के हाजी अली इलाके में खुला था। यह मॉल कोरोना के दौरान पूरी तरह से बंद हो चुका था। कोविड के बाद से ज्यादातर दुकानें बंद होने से इसे किराये पर देने के लिए कोई खरीदार नहीं मिल रहे हैं। इसकी वजह से मॉल को चलाने वाली कंपनी बंसी मॉल मैनेजमेंट पर 571 करोड़ रुपए का कर्जा हो गया, जिसके चलते मॉल को बेचना पड़ा है। इस मॉल में अभी भी 1.5 लाख वर्ग फुट एरिया लीज पर देने के लिए खाली है।

कर्ज में डूबे

मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में नए शॉपिंग मॉल्स के खुलने और कोरोना महामारी के कारण SOBO Central मॉल की हालत खस्ता होती गई। इसका करीब सारा रियल एस्टेट फ्यूचर ग्रुप की कंपनियों को दिया गया था जो मुश्किलों से गुजर रही हैं। कैनरा बैंक का कंपनी पर 131 करोड़ रुपए का बकाया है जबकि पीएनबी पर का बकाया 90 करोड़ रुपए है। पीएनबी और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का फ्यूचर ब्रांड्स पर 350 करोड़ रुपए का बकाया है। बैंकों का फ्यूचर ग्रुप की कंपनियों पर 33,000 करोड़ रुपए का बकाया है।

ऐसे कंगाल हुए बियानी

किशोर बियानी का जन्म साल 9 अगस्त 1961 में मुंबई के एक कपड़ा व्यापारी के घर हुआ था। अपने फैमिली बिजनेस में उन्होंने काफी रुचि दिखाई। साल 1987 में कपड़े के बिजनेस को किशोर बियानी ने रेडीमेड कपड़ों की ओर मोड़ दिया। फ्यूचर ग्रुप ने बिग बाजार का पहला स्टोर साल 2001 में खोला था। साल 2006 तक ये बढ़कर 56 हुए और 2008 तक 116 हो गए। हालांकि, 2008 की मंदी का कंपनी पर बुरा असर पड़ा लेकिन कंपनी फिर भी आगे बढ़ती ही रही। हर साल नए स्टोर खुलते चले गए और साल 2019 तक कुल 295 स्टोर हो चुके थे। किशोर बियानी ने भारतीय मिडिल क्लास को एक ही छत के नीचे पूरा बाजार दे दिया। बिग बाजार को भारत का वॉलमार्ट भी कहा जाता है।

भारत में टेस्ला का कारोबार तबाह हो जाएगा ! एलन मस्क के मेगाप्लान को खिसियाए चीन की बद्दुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की भारत में इलेक्ट्रिक कार फैक्ट्री खोलने की योजना चीन को बिल्कुल पसंद नहीं आई है। इसके शुभारंभ से पहले ही उसने बद्दुआएं देनी शुरू कर दी हैं। टेस्ला का भारत की ओर झुकाव बढ़ने से चीन बुरी तरह खिसिया गया है। उसने कहा है भारत में टेस्ला का कारोबार तबाह हो जाएगा। मस्क इस महीने के अंत में भारत की यात्रा करने वाले हैं। इस दौरान उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात होनी है। उनसे मिलने के बाद टेस्ला अपने कारखाने की योजना के बारे में कोई बड़ा ऐलान कर सकती है।

दिग्गज कारोबारी एलन मस्क लंबे समय से सरकार से बातचीत कर रहे हैं। वह भारत में कम ड्यूटी पर कारों का आयात करना चाहते थे। इसके उलट सरकार चाहती थी कि वह स्थानीय स्तर पर कारों की मैन्यूफैक्चरिंग करें। सरकार ने पिछले महीने अपनी नई ईवी पॉलिसी की घोषणा की है। इसके बाद टेस्ला के भारत में एंट्री की बातें चलने लगी हैं। माना जा रहा है मस्क इसके बारे में भारत आने पर घोषणा कर सकते हैं। भारत की नई ईवी पॉलिसी टेस्ला के अनुकूल होने की संभावना है।

चीन को रास नहीं आ रहा मस्क का प्लान

यह और बात है कि चीन को टेस्ला की भारत में एंट्री की योजना कतई रास नहीं आई है। ग्लोबल टाइम्स को चीनी सरकार का मुखपत्र माना जाता है। उसने टेस्ला को आमंत्रित करने के भारत के महत्वाकांक्षी कदम पर भविष्यवाणी कर दी है। इस चीनी माउथपीस ने कहा है कि टेस्ला का यह प्लान काम नहीं करेगा। कारण है कि भारतीय बाजार परिपक्व नहीं है। वह इसके लिए बेहद कम तैयार है। भारतीय बाजार के लिए यह बहुत जल्दी है।

चीन सरकार के मुखपत्र में कहा गया कि ईवी को बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए भारत के सामने एक बड़ी बाधा पब्लिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की अनुपस्थिति है। भारत के कई क्षेत्रों में लगातार बिजली कटौती का सामना करना पड़ता है। इसमें कहा गया है कि भारत में बिजली की कमी हो रही है। अधिक बिजली पैदा करने के लिए कोयला खदानों और बिजली संयंत्रों के विस्तार से जलवायु लक्ष्यों को पूरा करना मुश्किल हो जाएगा।

चीन के खिसियाकर इस तरह की अपमानजनक बातें बोलने का कारण है। दरअसल, चीन के कई दिग्गज ईवी मैन्यूक्चरर्स ने पहले भारत में ईवी मैन्यूफैक्चरिंग में दिलचस्पी दिखाई थी। लेकिन, भारत सरकार ने उन्हें मंजूरी नहीं दी थी। सीमा विवाद के कारण भारत-चीन के संबंध खराब हैं। दोनों देशों के सैनिकों के बीच सीमा पर कई झड़पें हो चुकी हैं। भारत ने चीनी निवेश को गहरी जांच के दायरे में रखा है।

रियल एस्टेट में विदेशी निवेश में भारी गिरावट, जनवरी-मार्च में सिर्फ 1.1 करोड़ डॉलर आए

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा टेलीसर्विसेज विदेशी निवेशक इस साल रियल एस्टेट से सतर्क रहे और उन्होंने इस क्षेत्र में 2024 की पहली तिमाही में सिर्फ 1.1 करोड़ डॉलर का निवेश किया। वैश्विक संपत्ति सलाहकार फर्म वेस्टियन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र में जनवरी-मार्च में संस्थागत निवेश सालाना 55 प्रतिशत घटकर 55.2 करोड़ डॉलर रह गया। रिपोर्ट के अनुसार, रियल एस्टेट क्षेत्र में पिछले साल की समान अवधि में 123.83 करोड़ डॉलर (1.23 अरब डॉलर) निवेश आया था। वेस्टियन के आंकड़ों के अनुसार, देश के रियल एस्टेट क्षेत्र में विदेशी कोषों का संस्थागत प्रवाह 2024 की पहली तिमाही में 99 प्रतिशत गिरकर केवल 1.1 करोड़ डॉलर रह गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 79.14 करोड़ डॉलर था। घरेलू निवेशकों ने जनवरी-मार्च 2024 में भारतीय रियल एस्टेट में 54.11 करोड़ डॉलर का निवेश किया, जो पिछले साल की समान अवधि में 44.69 करोड़ डॉलर से 21 प्रतिशत अधिक है। वेस्टियन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीनिवास राव ने कहा कि घरेलू निवेशक भारत की वृद्धि गाथा को लेकर उत्साहित हैं और रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश करना जारी रख रहे हैं।

मूल्य वृद्धि ने आभूषणों की मांग कम की है : सेनको गोल्ड

कोलकाता एजेंसी। प्रमुख खुदरा आभूषण विक्रेता कंपनी सेनको गोल्ड लि. ने शुक्रवार को कहा कि भू-राजनीतिक कारणों से सोने की कीमतों में हालिया तेज उछाल ने इसकी मांग को कम कर दिया है। वहीं उद्योग का पहली तिमाही का प्रदर्शन, उत्सव और नए साल के मौके पर जारी खरीदारी के रुख पर निर्भर करता है। कोलकाता की कंपनी ने कहा कि उसने हीरे जड़ित सोने के आभूषणों और उपभोक्ता-केंद्रित योजनाओं के जरिये मांग की स्थिति से निपटने के लिए कई उपाय किए हैं। हालांकि, कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि ये उपाए मार्च और अप्रैल में बिक्री की मात्रा के मामले में देखी गई 15-20 प्रतिशत की गिरावट की भरपाई नहीं कर सकते हैं। सेनको गोल्ड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुवेंकर सेन ने कहा, ''पिछले 30 दिनों में, सोने की कीमत लगभग 10 प्रतिशत बढ़ी है ।

खुद परखें उर्वरक

मिलावट की जांच का तरीका

सीएफसीएल टेस्टिंग किट जो सेन्ट्रल फर्टिलाइजर क्वालिटी कन्ट्रोल एण्ड टेस्टिंग इंस्टीट्यूट भारत सरकार फरीदाबाद (हरियाणा) से विकसित है के द्वारा प्रमुख उर्वरकों में मिलावट की जांच कर सकते हैं जैसे–

यूरिया

शुद्ध यूरिया चकमदार, लगभग समान आकार के दाने वाला, पानी में पूर्णतया घुल जाता, घोल को छूने पर शीतल की अनुभूति, गर्म तबे पर रखने से पिघल जाना, आंच तेज करने पर कोई अवशेष न बचना आदि सामान्य बाते हैं।

हथेली पर थोड़ा पानी लें, 2 मिनिट बाद जब हथेली और पानी का ताप अनुरूप (एक सा) हो जाए तब 10–15 दाने यूरिया के डालें, शुद्ध यूरिया ठंडक देगा, यदि ठंडक महसूस न हो तो यूरिया में मिलावट समझें।

1 ग्राम यूरिया परखनली में ले तथा पिघलने तक गर्म करें, ठंडा होने पर 1 मिली पदार्थ पानी में घोलें तथा बूंद–बूंद कर 1 मिली बाई यूरेट घोल मिलाएं, गुलाबी रंग आता है तो यूरिया शुद्ध है और यदि गुलाबी रंग नहीं आता है तो मिलावट है।

1 ग्राम यूरिया परखनली में लें तथा 5 मिली आसुत जल मिलाएं और पदार्थ को घोलें एवं 5–6 बूंद सिलवर नाईट्रेट घोल मिलाएं दही जैसा सफेद अवक्षेप का बनना यह प्रदर्शित करता है कि पदार्थ मिलावटी है किसी भी अवक्षेप का न बनना शुद्ध यूरिया को बताएगा।

डीएपी (डाई अमोनियम फास्फेट)

● सामान्यत: शुद्ध डीएपी के दानों का आकार एकदम गोल नहीं होता, डीएपी के दानों को गर्म करने या जलाने पर दाने फूलकर साबूदाने की भांति खिलकर फूलकर लगभग दोगने आकार के हो जाएं तो वह शुद्ध होगा, डीएपी के दानों को लेकर फर्श पर रखें फिर जूते से ताकत से रगड़े शुद्ध डीएपी के दाने आसानी से नहीं फूटेंगे, यदि आसानी से टूट जाए तो डीएपी में मिलावट है।

● डीएपी में नाइट्रोजन जांच के लिए 1 ग्राम पिसी डीएपी में चूना मिलायें, सूघें, सूंघने पर यदि अमोनिया की गंध आती है डीएपी में नाइट्रोजन उपस्थित है यदि नहीं तो डीएपी में मिलावट है।

● 1 ग्राम पिसा नमूना परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें और हिलायें, फिर 1 मिली नाईट्रिक अम्ल मिलायें फिर हिलायें, यदि यह घुल जाए एवं घोल अर्धपारदर्शी हो जाए तो डीएपी शुद्ध है, यदि कोई पदार्थ अघुलनशील बचता है तो मिलावट है।

● एक चम्मच डीएपी परखनली में लें, घोल बनाये तथा 1/2 मिली सोडियम हाइड्रासाईड मिलायें, हिलायें, सूंघे यदि अमोनिया की तीक्ष्ण गंध है तो डीएपी शुद्ध है गंध नहीं तो मिलावट समझें।

म्यूरेट ऑफ पोटाश-

● 1 ग्राम उर्वरक परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें व अच्छी तरह हिलायें, अधिकांश उर्वरक घुल जाए तथा कुछ अघुलनशील कण पानी की सत पर तैरें तो शुद्ध होगी यदि अधिकांश अघुलनशील पदार्थ परखनली के तले पर बैठ जाए तो समझे उर्वरक में मिलावट है।

● 1 ग्राम उर्वरक लें और 10 मिली आसुत जल मिलायें इसे अच्छी तरह घोलें एवं छाने फिकट्रेट में 5–6 बूदें कोवेल्टी नाइट्रेट रिजेब्ट को मिलायें, पीला अवक्षेप का बनना उर्वरक में के की उपस्थिति बताएगा तथा अवक्षेप का ना बनना पदार्थ में मिलावट बताएगा।

● शुद्ध एमओपी पानी में पूर्णतया घुलनशील, रंगी एमओपी का लाल भाग पानी का तैरता है यदि ऐसा है तो एमओपी शुद्ध है अन्यथा नहीं शुद्ध एमओपी के कण नम करने पर आपस में चिपकते नहीं है।

जिंक सल्फेट

● 1 ग्राम उर्वरक परखनली में ले, 5 मिली आसुत जल मिलायें अच्छी तरह हिलायें फिल्टर पेपर से छाने 8–10 बूंद तनु घोल मिलायें, सफेद जैली जैसा पदार्थ बनता है तब 10–12 बूंद सान्द्र NaoH घोल मिलायें अगर अवक्षेप घुल जाये तो पदार्थ शुद्ध है अन्यथा नहीं।

● पानी में घुलनशील लेकिन असका घोल यूरिया तथा एमओपी की तरह ठंडा नहीं होता तो पदार्थ शुद्ध है।

● डीएपी के घोल के जिंक सल्फेट के घोल को मिलाने पर थक्केदार घना अवक्षेप बन जाता है जो मैग्नीशियम सल्फेट के साथ ऐसा नहीं होता।

कैन/ किसान खाद

● 1 ग्राम पदार्थ परखनली में ले एचसीएल मिलायें, शुद्ध केन उर्वरक में बहुत सारे बुलबुले उठेंगे, इसके बाद 10 मिली आसुत जल मिलायें, कुछ समय बाद पदार्थ घुल जाएगा तो शुद्ध केन है, अन्यथा नहीं।

सिंगल सुपर फास्फेट

● दानेदार पाऊडर काला भूरा आदि रंगों में , एक दाना हथेली पर रगड़ने से आसानी से टूट जाये तो शुद्ध है।

● 1 ग्राम उर्वरक परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें अच्छी तरह हिलायें और छाने तथा 5–6 बूंद घोल मिलायें यदि पीला अवक्षेप है एवं घुल जाए तो फास्फेट की उपस्थिति है यदि नहीं तो पदार्थ संदिग्ध है।

● 1/2 चम्मच उर्वरक को 5 मिली आसुत जल में घोलें ऊपर के निथरे भाग को दूसरी परखनली में लेकर 15–20 बूंद के घोल को मिलायें, यदि हलका दूधिया अवेक्षेप प्राप्त होता है इसमें 2–3 बूंद तनु काष्टिक सोडा मिलाने पर पीला अवक्षेप आता है तो उर्वरक शुद्ध है यदि ऐसा नहीं होता तो अशुद्ध समझें।

टमाटर की रोगरोधी जातियां

टमाटर एक प्रमुख सब्जी फसल है और इसे सब्जियों का बादशाह भी कहा जाता है इसके उपयोग के बिना अन्य सब्जियों का स्वाद अधूरा ही रहता है। टमाटर के फलों में अनेक पोषक तत्व विटामिन सी थायमिन एवं राइबोफ्लोविन प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं यह फसल भिन्न–भिन्न ऋतुओं में कवकजनित, जीवाणुजनित, विषाणुजनित एवं सूत्रकृमिजनित रोगों से प्रभावित होती हैं। इन रोगों के कारण उत्पादन में प्रतिकूल प्रभाव होता है। इन रोगों से बचाव के लिए रोगरोधी प्रजातियों को उगाना सर्वोत्तम उपाय हैं।

हिसार अनमोल

मूल ग्रन्थी सूत्रकृमि रोधी है। पौधे अर्ध अपरिमित, जल्दी पकने वाली, फल गोल तथा मध्यम से बड़े आकार के होते हैं।

पूसा हाइब्रिड-4:

यह किस्म भी मूल ग्रन्थी सूत्रकृमि रोधी है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली द्वारा विकसित, परिमित, विपुल उत्पादक गहरी हरी पत्तियों वाली संकर है। फल आकर्षक, गोलाकार, चिकने, औसत भार 70-80 तथा एक समान पकने वाले होते हैं।

अर्का श्रेष्ठ:

जीवाणु मुरझान रोधी, पौधे अर्ध परिमित तता हल्की हरी पत्तियों वाले होते हैं। फल गोलाकार, सख्त, गहरे हरे, औसत आकार 75 ग्राम, सामान्य तापक्रम पर 7 दिनों तक संग्रहित किये जा सकते हैं। रोपण के 55-60 दिनों बाद फलना आरंभ करके 140 दिनों तक फलती रहती है। औसत उपज 700 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

अर्का वर्धन:

यह किस्म सूत्र कृमि रोधी है। पौधे अपरिमित होते हैं। फल चपटे गोलाकार, सख्त, गहरे लाल, हरे कंधों वाले, औसत भार 140-150 ग्राम के होते हैं।

माधुरी (बी.एस.एस.-39)

बेजो शीतल बीज कंपनी, जालना द्वारा विकसित की गई है। पौधे परिमित, फल गहरे लाल, चपटे गोलाकार, मोटे छिलके वाले, औसत 100 ग्राम के फटने के प्रतिरोधी एवं उपज 500-700 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पाई जाती है।

मीनाक्षी (बीएसएस-20)

फ्यूजेरियम विल्ट रोधी है। बेजो शीतल बीजकंपनी, जालना द्वारा विकसित अपरिमित संकर है। फल गहरे लाल गोलाकार और भार 80 ग्राम होता है। औसत उपज 600-1000 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

सेलेक्शन- 120:

इस किस्म में मोजेक कम लगता है। तथा वर्षाऋतु के लिये भी उपयुक्त होती है। मध्यम समय में (120-150) तैयार हो जाती है। फल बड़े आकार के होते हैं। उपज प्रति हेक्टेयर 250-275 क्विंटल होती है यह किस्म निमेटोड प्रतिरोधी है।

अविनाश 2

यह किस्म पर्णकुंचन रोग के प्रति सहनशील उच्च उपज, पौधे परिमित, सघन वृद्धि, फल अर्द्ध आयताकार, मध्यम आकार के हैं।

एच.एस.-101

यह किस्म टमाटर के पर्णकुंचन रोग के प्रति सहनशील है।पौधे परिमित तथा बौने होते हैं। फलों का रंग लाल, मध्यम आकार के, गोल तथा गुच्छों में होते हैं।

क्या शिवम दुबे को मिलना चाहिए टी20 वर्ल्ड कप टीम में मौका?

सीएसके कोच फ्लेमिंग के बयान ने बढ़ाया भारतीय चयनकर्ताओं का सिरदर्द

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स के कोच स्टीफन फ्लेमिंग का कहना है कि टी20 विश्व कप के लिए टीम चुनने से पहले भारतीय टीम मैनेजमेंट को खेलने की सही शैली की पहचान करनी होगी. चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में ऑलराउंडर शिवम दुबे को मौका मिलना चाहिए. दुबे पिछले दो आईपीएल सीज़न में एक शानदार हिटर के रूप में उभरे हैं. फ्लेमिंग ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा, मेरे लिए बात यह है कि वे (भारत) विश्व कप के दौरान किस प्रकार का गेम प्लान खेलना चाहते हैं?

उन्होंने विदेशी परिस्थितियों में भारत के लिए खेलने की सही शैली की पहचान की है. सीएसके कोच ने कहा, फिर केवल खिलाड़ियों को चुनने और गेम प्लान खोजने की कोशिश करने के बजाय खिलाड़ियों को इसमें शामिल करें. मैं खेल की वह शैली देखूंगा जो मैं चाहता हूं, और फिर उन खिलाड़ियों को चुनूंगा जो फॉर्म में हैं और वह भूमिका निभा सकते हैं जो उस डिज़ाइन को सर्वश्रेष्ठ रूप से जीत सके.

कीवी दिग्गज ने कहा, भारतीय चयनकर्ता होना शायद विश्व क्रिकेट में सबसे मुश्किल कामों में से एक है, है न? एक तरफ, एक कीवी के रूप में मैं शो में मौजूद प्रतिभाओं की मात्रा और हर खेल में सामने आने वाले नए खिलाड़ियों को देखकर बहुत ईर्ष्यालु हूं. इसके बाद फ्लेमिंग ने दुबे को विश्व कप स्क्वाड में मौका देने के बारे में कहा, मुझे उसकी शक्ति पसंद है. मैं पक्षपाती हूं, है ना? लेकिन मुझे लगता है कि जब आपके पास उस तरह की थोड़ी अलग शक्ति होती है; मैं उसे टीम में रखूंगा.

2018 में अपने टी20 डेब्यू के बाद टीम से बाहर हो गए दुबे को सीएसके के साथ अपनी हालिया हरकतों के कारण राष्ट्रीय टीम में वापसी का रास्ता मिल गया है. 2022 में फ्रैंचाइज़ी में शामिल होने के बाद से, दुबे ने 32 पारियों में 883 रन बनाए हैं

एशियन चैम्पियनशीप :

भारतीय महिला पहलवानों का जलवा, राधिका को मिला रजत, शिवानी को कांस्य पदक

बिश्केक, एजेंसी। पिछले साल अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली राधिका 2022 सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में भी दूसरे स्थान पर रही थीं। उन्होंने कजाखस्तान की अलबीना के को पहले मुकाबले में तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिला पहलवानों ने जलवा बिखेरा। राधिका ने 68 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि शिवानी पवार ने कांस्य पदक अपने नाम किया। एशियाई चैंपियनशिप में राधिका का यह दूसरा पदक है।

राधिका ने 2022 में भी जीता था रजत

पिछले साल अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली राधिका 2022 सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में भी दूसरे स्थान पर रही थीं। उन्होंने कजाखस्तान की अलबीना के को पहले मुकाबले में तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। इसके बाद किर्गिस्तान की गुलनूरा ताशतांबेकोवा को मात दी। हालांकि, उन्हें स्वर्ण पदक के मुकाबले में जापान की नोनोका ओजाकी से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार का सामना करना पड़ा।

क्वार्टर फाइनल में मिली हार के बाद शिवानी ने की वापसी

भारत की एक अन्य पहलवान शिवानी पवार को 50 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जिकि फेंग से हार गई थी, लेकिन चीन की इस पहलवान के फाइनल में पहुंचने के बाद उन्होंने रेपचेज के जरिये कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बना ली। उन्होंने मंगोलिया की ओट्गोनजार्गल डोल्गोज्राव को 9-7 से हराकर कांस्य पदक जीता।

वहीं, 55 किग्रा वर्ग में तमन्ना को क्वलीफिकेशन दौर में जापान की मोए कियूका ने 9-0 से हराया, लेकिन कियूका के फाइनल में पहुंचने से तमन्ना भी पदक की दौड़ में शामिल हो गईं। वह हालांकि मौके का फायदा नहीं उठा सकीं और रेपचेज राउंड में उन्हें चीन की मिन यांग से 0-4 से हार का सामना करना पड़ा।

अन्य भारतीय पहलवानों को मिली हार

भारत के पास रेपचेज के जरिये अन्य वर्गों में पदक हासिल करने का मौका था, लेकिन अन्य पहलवान इस मौके का फायदा नहीं उठा सके। पुष्पा यादव (59 किग्रा) और प्रिया (76 किग्रा) भी उन्हें हराने वाली पहलवानों के फाइनल में पहुंचने से पदक की दौड़ में शामिल हो गई थीं, लेकिन इन दोनों भारतीय पहलवानों को हार का सामना करना पड़ा और वे पदक जीतने में नाकाम रहीं। कांस्य पदक के प्लेऑफ में पुष्पा को कजाखस्तान की डायना कयूमोवा ने 11-8 से हराया, जबकि प्रिया को भी कजाखस्तान की एल्मिरा सिज्डीकोवा ने मात दी।

हर कोई पृथ्वी शॉ के प्रदर्शन में निरंतरता देखना चाहता है : माइकल क्लार्क

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में अपने प्रदर्शन में और अधिक निरंतर होने की जरूरत है क्योंकि हर कोई चाहता है कि वह शीर्ष क्रम पर टीम के लिए स्थिर रहें. आईपीएल 2024 की अपनी चार पारियों में, शॉ ने 157.29 की स्ट्राइक-रेट से 151 रन बनाए हैं, जिसमें विशाखापत्तनम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 66 रन का उच्चतम स्कोर है. शुक्रवार शाम को लखनऊ में, शॉ ने 22 गेंदों में 32 रनों की तेज़ पारी खेली, जिससे डीसी को आईपीएल 2024 सीज़न की दूसरी जीत हासिल करने के लिए 168 रनों का सफलतापूर्वक पीछा करने में मदद मिली.

उन्होंने कहा, देखिए, मुझे लगता है कि उनके दोबारा टीम में वापस आने से डेव वार्नर को मदद मिलेगी या फ्रेज़र मैकगर्क के टीम में आने से उन्हें मदद मिलेगी. दोनों बॉउंड्री की तलाश में थे. आप जानते हैं, उस प्रतियोगिता का थोड़ा सा भी स्तर. यदि आप चौका मार सकते हैं, तो मैं छक्का मारूंगा.

आईपीएल-2024: आशुतोष शर्मा के नाम जुड़ा खास रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल के 17वें सीजन में पंजाब किंग्स के लिए अब तक कुछ भी सही नहीं रहा है, जिसमें टीम को 6 में से 4 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में भी पंजाब किंग्स को 3 विकेट से करीबी हार मिली।

इस मैच में पंजाब की टीम ने पहले खेलते हुए 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 147 रन बनाए थे, वहीं राजस्थान ने टारगेट का पीछा 19.5 ओवरों में कर लिया। पंजाब किंग्स टीम के बल्लेबाजों की तरफ से इस मैच में काफी खराब प्रदर्शन देखने को मिला जिसमें उन्होंने 70 के स्कोर तक अपनी आधी टीम को गंवा दिया। निचलेक्रम पर बल्लेबाजी करने उतरे आशुतोष शर्मा ने 16 गेंदों में 31 रनों की पारी खेलकर टीम को इस मैच में लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचाया। वहीं आशुतोष ने अपनी इस पारी के दम पर आईपीएल इतिहास में एक ऐसे रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया जो अब तक कोई भी खिलाड़ी करने में कामयाब नहीं हो सका है।

पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2024 के लिए मध्य प्रदेश के 25 साल के खिलाड़ी आशुतोष शर्मा को अपनी टीम का हिस्सा बनाया था। अब तक उन्हें इम्पैक्ट खिलाड़ी के तौर पर टीम ने इस्तेमाल किया है, जिसमें तीन मैचों में आशुतोष ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर सभी को काफी प्रभावित किया है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में आईपीएल में डेब्यू करते हुए आशुतोष ने सिर्फ 17 गेंदों में 31 रनों की पारी खेली थी, वहीं इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में आशुतोष के बल्ले से 15 गेंदों में नाबाद 33 रनों की पारी देखने को मिली, जबकि राजस्थान के खिलाफ मैच में भी वह 31 रन बनाने में कामयाब रहे।

इसी के साथ आशुतोष आईपीएल इतिहास में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने लगातार तीन मैचों में नंबर 8 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए 30 प्लस रनों की पारी खेली है।

दीपेंद्र सिंह ने टी-20 में 6 गेंद में 6 सिक्स जड़े

नईदिल्ली, एजेंसी। नेपाल के बैटर दीपेंद्र सिंह एरी ने कतर के खिलाफ एसीसी प्रीमियर कप के 7वें मैच में 6 गेंद में 6 सिक्स लगाया। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐसा करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले साल 2007 में युवराज सिंह ने टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में यह कारनामा किया था। वहीं कायरन पोलार्ड ने 2021 में श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज में 6 गेंद पर 6 छक्के लगाए थे।

दीपेंद्र सिंह 21 गेंदों पर 64 रन बना कर रहे नाबाद

दीपेंद्र ने नेपाल के लिए 5वें नंबर पर बैटिंग करते हुए 21 गेंद पर 64 रन बनाकर नाबाद रहे। दीपेंद्र 20 वें ओवर से पहले 15 गेंद में 28 बनाकर खेल रहे थे और नेपाल का स्कोर 7 विकेट पर 174 रन था। कतर की ओर से आखिरी ओवर कमरान खान करने आए।

दीपेंद्र ने सभी 6 गेंदों पर छक्का जड़कर अपना स्कोर 28 से 64 किया। वहीं नेपाल का स्कोर भी 200 के पार पहुंचा दिया। दीपेंद्र ने अपनी पारी के दौरान 7 छक्के और 3 चौके भी लगाए। उनकी इस दमदार पारी के बौदलत ही नेपाल ने निर्धारित 20 ओवर के खेल में 7 विकेट पर 210 रन का स्कोर खड़ा किया।

दीपेंद्र टी-20 में सबसे तेज अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज भी

दीपेंद्र टी-20 में सबसे तेज अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। उन्होंने एशियन गेम्स में मंगोलिया के खिलाफ मैच में सिर्फ 9 गेंद में फिफ्टी ठोक दी थी।

उनसे पहले टी-20 में सबसे तेज फिफ्टी बनाने का रिकॉर्ड भारत के बैटर युवराज सिंह के नाम था।

युवराज सिंह ने 2007 टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान 12 गेंद में अपना 50 रन पूरा किया था।

दीपेंद्र ने टी-20 में 143.70 की स्ट्राइक रेट से बनाया है रन

24 साल के दीपेंद्र नेपाल के लिए 55 वनडे और 59 टी-20 मैच खेल चुके हैं। वनडे क्रिकेट में उन्होंने 3 फिफ्टी और एक शतक के साथ 896 रन बनाए हैं, जबकि टी-20 क्रिकेट में दीपेंद्र ने 143.70 के स्ट्राइक रेट से 1496 रन बना चुके हैं। इस फॉर्मेट में भी उन्होंने एक शतक लगाया है।

मनोज बाजपेयी ने बताया अलग-अलग किरदारों में खुद को कैसे ढालते हैं

मनोज बाजपेयी और प्राची देसाई की फिल्म साइलेंस 2 ओटीटी पर दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस फिल्म में अभिनेता एक बार फिर पुलिस अफसर बनकर अपराधियों से लड़ते नजर आएंगे। हिंदी सिनेमा के बेहतरीन अभिनेताओं में शुमार होने वाले मनोज बाजपेयी जल्द ही नई फिल्म साइलेंस 2 में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ प्राची देसाई भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म के पहले भाग को मिले प्यार के बाद फैंस इसके आगे की कहानी को जानने के लिए काफी उत्सुक नजर आ रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसने दर्शकों का उत्साह काफी ज्यादा बढ़ा दिया है। मनोज और प्राची इन दिनों फिल्म का जमकर प्रचार कर रहे हैं। इस कड़ी में अभिनेता ने बातचीत में अपनी फिल्मों और अभिनय पर खुलकर बात की। अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाले मनोज बाजपेयी से जब साक्षात्कार के दौरान पूछा गया कि अपराधी का किरदार निभाने के बाद पुलिस अफसर के रोल में खुद को ढालना कितना मुश्किल होता है?

काजल अग्रवाल ने दिया मंत्र

एक समय में एक ही काम करें

अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने अपने फैंस को कुछ नया ज्ञान दिया है। एक मोनोक्रोम तस्वीर साझा कर उन्होंने अपनी दुनिया को गढ़ने के बारे में कुछ बातें कही हैं। काजल ने इंस्टाग्राम पर खुले बालों के साथ अपनी एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर साझा की। तस्वीर में, वह अपने लंबे काले बालों को पीछे खींचते हुए कैमरे की ओर मुस्कुराती हुई दिखाई दे रही हैं। कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा- एक समय में एक विचार से अपनी दुनिया तैयार कर रही हूं। काजल को आखिरी बार अनिल रविपुडी निर्देशित तेलुगु एक्शन ड्रामा फिल्म भगवंत केसरी में देखा गया था। इसमें नंदमुरी बालकृष्ण, श्रीलीला और अर्जुन रामपाल भी हैं। वह अगली बार एस. शंकर द्वारा निर्देशित तमिल विजिलेंट एक्शन फिल्म इंडियन 2 में नजर आएंगी। उसके बाद उमा और सत्यभामा भी उनके पास है।

सलमान के साथ डेब्यू से पहले मेरे पास पांच फिल्मों के ऑफर थे : रवीना

एक्ट्रेस रवीना टंडन ने खुलासा किया है कि उन्होंने 1991 में सलमान खान के साथ पत्थर के फूल में पदार्पण करने से पहले पांच फिल्मों का ऑफर ठुकराया था। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्हें पत्थर के फूल से पहले कई फिल्मों के ऑफर आए थे। किसका ब्रांड बजेगा पर बोलते हुए अभिनेत्री कहा कि मैंने इससे पहले ही पांच फिल्मों को ना बोल दिया था। उन्होंने कहा, मैं कॉलेज कैंटीन में थी, और मैंने अंदर आकर कहा, अंदाज़ा लगाओ कि मुझे किसके साथ फिल्म का ऑफर मिला है, और उन्होंने कहा, कौन? और मैंने कहा, सलमान खान, और मेरे सभी दोस्त बोले, याय्य! इसके बाद अभिनेत्री ने खुलासा किया कि फिल्म स्वीकार करने से लेकर उस पर काम शुरू करने तक की प्रक्रिया बहुत तेज थी। रवीना ने कहा, तो मैंने हां कह दी, अगले दिन मैंने सलमान के साथ फोटोशूट किया और तीसरे दिन मैं फिल्म कर रही थी। अनंत बलानी द्वारा निर्देशित और सलीम खान द्वारा लिखित, पत्थर के फूल एक युवा पुलिस अधिकारी और एक गैंगस्टर की बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है। पत्थर के फूल के बाद रवीना और सलमान ने कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें अंदाज अपना-अपना, कहीं प्यार ना हो जाए आदि शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में पुलिसकर्मी को कार से 100 मीटर तक घसीटा, चिल्लाता रहा कांस्टेबल

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में एक पुलिसकर्मी को कार चालक ने टक्कर मार दी। इसके बाद आरोपी ड्राइवर ने पुलिसकर्मी को 100 मीटर तक घसीटा। इस घटना में वह बुरी तरह घायल हो गया। दरअसल, गुरुग्राम यातायात पुलिस के एक सिपाही द्वारा रुकने के लिए कहे जाने पर एक कार चालक ने कथित तौर पर टक्कर मारने के बाद उसे (सिपाही को) बोनट पर डाल 100 मीटर तक घसीटा जिससे वह घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि सड़क पर भीड़ होने के कारण चालक कार लेकर फरार नहीं हो सका और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि यह घटना शुक्रवार को सेक्टर 4/7 चौक पर शाम करीब छह बजे घटी। इस घटना में घायल हुए कांस्टेबल अजय पाल यहां यातायात ड्यूटी पर तैनात थे। कांस्टेबल ने अपनी शिकायत में कहा है कि चौक से सेक्टर नौ की ओर एक सफेद कार जा रही थी और उसके शीशे काले थे। इसमें कहा कि जब उन्होंने चालक को कार रोकने को कहा तब उसने उन्हें टक्कर मारते हुए बोनट पर लाद लिया। कांस्टेबल ने कहा, मैंने चिल्लाते हुए चालक से कार रोकने को कहा लेकिन वह करीब 100 मीटर तक मुझे बोनट पर लेकर कार को चलाता रहा। उनके अनुसार जब कार जाम में फंस गई तब चालक को उसे रोकना पड़ा और फिर अन्य पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार इस घटना में कांस्टेबल घायल हो गए और उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल पुलिसकर्मी की शिकायत पर शुक्रवार को न्यू कॉलोनी थाने में भादंसं की संबंधित धाराओं में आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

प्रेमी से करवाई पति की हत्या, वीडियो कॉल पर देखा जलता हुआ शव

नईदिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद के अजरौंदा गांव निवासी एक व्यक्ति की पिछले महीने की गई हत्या के आरोप में शुक्रवार देर रात उसकी पत्नी सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची थी। उन्होंने बताया कि साजिश के तहत प्रेमी ने गोली मारकर व्यक्ति की हत्या और लाश को पेट्रोल डालकर जला दिया और पूरी वारदात पत्नी ने वीडियो कॉल के माध्यम से देखा था। आइये जानते हैं क्या है पूरा मामला। इस मामले पर जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि शुक्रवार देर रात पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया गया और बाद में वारदात में मदद करने के आरोप में दो अन्य लोगों को पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, राजेश की पत्नी पूनम ने सगे ममेरे देवर और प्रेमी महेश के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया जो लॉकडाउन के बाद से उनके साथ रह रहा था और एक कंपनी में नौकरी करता था। पुलिस ने बताया कि योजना के तहत महेश रुपये देने का बहाने से राजेश को उत्तर प्रदेश के नंदगांव (मथुरा) ले गया और दो दोस्तों के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी और शव को जला दिया। डीएलएफ क्राइम ब्रांच के प्रभारी संदीप कुमार ने बताया है कि 16 मार्च को बरसाना पुलिस को नंदगांव के खेतों में राजेश का अधजला शव मिला था। उसकी 72 घंटों तक पहचान न होने के चलते उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। उन्होंने बताया कि महेश और पूनम की कॉल डिटेल से इस हत्या का खुलासा हुआ।

दिल्ली में पानी के लिए बहा दिया खून, किशोरी ने महिला को चाकू से गोदकर मार डाला

नईदिल्ली, एजेंसी। गर्मी शुरू होते ही दिल्ली में पानी की किल्लत होने से खूनी संघर्ष की नौबत आ गई है। शाहदरा जिले के फर्श बाजार इलाके में शुक्रवार रात पहले पानी भरने के विवाद में एक महिला पर पड़ोसी महिला के परिवार ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस दौरान सोनी बुरी तरह घायल हो गई। वारदात की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को हेडगेवार अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक सोनी के पति सतबीर का आरोप है कि पड़ोसी परिवार की 15 वर्षीय नाबालिग बेटी ने उसकी पत्नी पर चाकू से हमला किया है। पेट में चाकू लगने से उसकी मौत हुई है। वहीं, पुलिस इस मामले में गहनता से जांच कर रही है। फिलहाल, मामला पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो सकेगा। भीकम सिंह कॉलोनी में रह रहे सतबीर ने बताया कि उसके परिवार में पत्नी सोनी, 12 वर्षीय बेटा मन्नू, पांच व तीन वर्षीय दो बेटियां भूमि और चारू हैं। वह रेहड़ी लगाने का काम करता है। मूलरूप से वह यूपी के एटा स्थित कासगंज के रहने वाले हैं। मकान के ग्राउंड फ्लोर पर पड़ोसी रामबरन, उनकी पत्नी रीता और 15 वर्षीय नाबालिग बेटी रहती है।

संजय सिंह से मिलना नहीं चाहते अरविंद केजरीवाल, भाजपा का दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें उनके परिवार से फेस टू फेस मिलने नहीं दिया जा रहा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईशारे पर उनका मनोबल तोड़ने की कोशिश की जा रही है। हालांकि अब दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह के बयान को लेकर पलटवार किया है और दावा किया है कि अरविंद केजरीवाल अब खुद संजय सिंह से नहीं मिलना चाहते। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, ऐसा लगता है कि केजरीवाल जेल में कुछ विशेषाधिकार और सुविधाएं चाहते हैं, जैसा कि उनके मंत्री सत्येन्द्र जैन 2022 में लेते हुए पकड़े गए थे। हमारे कुछ सूत्रों से संकेत मिले हैं कि केजरीवाल अब संजय सिंह से मिलना भी नहीं चाहते हैं, क्योंकि संजय सिंह चाहते हैं विधायकों को तोड़ें और सीएम बनें, जबकि केजरीवाल सीएम का पद अपने परिवार के भीतर रखना चाहते हैं।

संजय सिंह के आरोपों का जवाब देते उन्होंने कहा कि आप नेता जिन नियमों का हवाला देते हैं वह दिल्ली सरकार ने ही बनाए हैं। उन्होंने कहा कि आमने-सामने मुलाकात केवल कैदी और पंजीकृत वकील के बीच ही होगी। नियमों के अनुसार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को यह सुविधा मिल रही है। शनिवार को उन्होंने बयान जारी किया कि केजरीवाल सरकार ने वर्ष 2018 में दिल्ली जेल मैनुअल बनाया था, जिसके नियम-602 में स्पष्ट है कि कैदी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मुलाकात शीशे की दीवार के आर-पार से होगी, जिसमें इंटरकोम का उपयोग कर सकेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सुरक्षा कारणों से किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री की जेल में बंद कैदी से मुलाकात के लिए जेल के अंदर सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्था करना कोई साधारण काम नहीं है। ना ही सामान्य तौर पर कोई मुख्यमंत्री या बड़ी सुरक्षा प्राप्त नेता इस तरह जेल में जाकर कैदी से मिलने के लिए दबाव डाल सकता है। इन सभी के बावजूद जेल प्रशासन ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के बीच मुलाकात तय की है। जेल में प्रवेश करते समय केजरीवाल ने मुलाकात के लिए जिन 10 लोगों के नाम लिखवाए थे, उनमें सरदार भगवंत सिंह मान व संजय सिंह का नाम शामिल नहीं था। इसलिए यह मुलाकात तय होने में समय लगा है। अब जेल मैनुअल के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। सचदेवा ने कहा कि संजय सिंह केवल भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। वह स्वयं लंबे समय जेल में रह कर आए हैं। वह बताएं कि क्या वह अपने मुलाकातियों से आमने-सामने मिलते थे या शीशे की दीवार के आर-पार बैठकर मिलते थे। जेल में बंद कैदी सरकार द्वारा बनाए गए मैनुअल के अनुसार रखे जाते हैं और कानूनी रूप से उन्हें कोई भी छूट केवल न्यायालय दे सकता है।

किडनी कांड में बड़ा ऐक्शन, मेडिकल वीजा पर भारत आए 5 बांग्लादेशी गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। हरियाणा और राजस्थान में किडनी ट्रांसप्लांट गिरोह का भंडाफोड़ होने के बाद गुरुग्राम पुलिस ने शनिवार को पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए पांचों आरोपियों में से तीन लोग किडनी लेने वाले हैं और दो लोग अंग दान करने वाले हैं। उन्होंने किडनी देने के लिए दो-दो लाख रुपये लिए थे। पुलिस ने कहा कि गिरोह का मुख्य साजिशकर्ता मोहम्मद मुर्तजा अंसारी अब भी फरार है, वह झारखंड का मूल निवासी है।

पुलिस ने बताया कि बांग्लादेश के नागरिक 31 वर्षीय मोहम्मद अहसानुल, 24 वर्षीय शमीम मेहंदी हसन, 56 वर्षीय नुरुल इस्लाम, 25 वर्षीय सैयद अकिब महमूद और 30 साल के मोहम्मद आजाद हुसैन को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी मेडिकल वीजा पर भारत आए थे। शमीम मेहंदी हसन के वीजा पर रविंद्रनाथ टैगोर अस्पताल कोलकाता और अन्य चारों के वीजा पर फोर्टिस अस्पताल जयपुर लिखा हुआ है। पांचों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से सभी को न्यायिक हिरासत में भोंडसी जेल भेज दिया गया है। सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अर्जुन देव ने बताया कि अवैध रूप से किडनी देना और किडनी ट्रांसप्लांट कराना गैरकानूनी है। इस मामले में जांच अभी जारी है। मामले में जयपुर की एसीबी भी जांच कर रही है। किडनी के अवैध कारोबार का मास्टरमाइंड झारखंड का मोहम्मद मुर्तजा अंसारी है। उसकी तलाश में राजस्थान, हरियाणा और झारखंड पुलिस छापेमारी कर रही है, लेकिन अब तक उसका पता नहीं चल सका है। मुर्तजा बीते सात महीनों से जयपुर के एक निजी अस्पताल में सक्रिय था।

तंगी दूर करने को बहू ने रची खौफनाक साजिश; फर्जी डकैती में मां-बाप भी शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के निवाड़ी में महिला को बंधक बनाकर दिनदहाड़े फर्जी डकैती की घटना का पुलिस ने शनिवार को खुलासा कर दिया। पुलिस के मुताबिक, मायके की आर्थिक तंगी दूर करने के लिए खुद महिला ने ही माता-पिता के साथ मिलकर अपने ससुराल में डकैती की योजना बनाई थी। पिता ने जानकार को 20 हजार रुपये देकर वारदात का नाटक करने भेजा था। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर लिया है।

डीसीपी ग्रामीण विवेक चंद यादव ने बताया कि निवाड़ी कस्बे में सालेनगर मार्ग पर रहने वाले मुकेश त्यागी अपने बेटे दीपक त्यागी, मोहित त्यागी और दीपक की पत्नी दीपिका के साथ रहते हैं। दीपक त्यागी नोएडा की एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। 10 अप्रैल को दीपक ड्यूटी और मोहित बाहर चला गया, जबकि मुकेश त्यागी खेत में थे। दीपिका ने बताया था कि दोपहर 1 बजे दो युवक घर पर आए और मुकेश त्यागी के बारे में पूछकर चले गए। इसके थोड़ी देर बाद ही पांच युवक आए और खाना मांगा। आरोप था कि दीपिका रसोई में गई तो पांचों युवक उसे बंधक बनाकर रसोई में ले गए। विरोध करने पर बदमाशों ने दीपिका के साथ मारपीट की और फिर नशीली चीज सुंघाकर साढ़े तीन लाख रुपये और 40 तोला सोने के जेवर लूटकर ले गए। डीसीपी ग्रामीण के मुताबिक, मोहित की शिकायत पर पुलिस द्वारा डकैती का केस दर्ज कर खुलासे के लिए चार टीमें गठित कर दी गई थीं। जांच में पता चला कि डकैती की घटना फर्जी थी। खुद दीपिका ने अपने माता-पिता के साथ मिलकर डकैती की कहानी रची थी। दीपिका के अलावा थाना बागपत के गांव पदेडा निवासी उसकी मां सुनीता त्यागी, पिता योगेंद्र त्यागी के अलावा थाना सिंघावली अहीर जिला बागपत के गांव बसौद निवासी अकबर को गिरफ्तार किया गया, जो योगेंद्र त्यागी का जानकार है। दीपिका के माता-पिता वर्तमान में थाना गंगानगर मेरठ के राधा गार्डन में रहते हैं। दीपिका के पिता योगेंद्र त्यागी के दिल का फिर से ऑपरेशन होना था। पिता के इलाज और मायके को आर्थिक तंगी से उबारने के लिए दीपिका ने माता-पिता के साथ मिलकर फर्जी डकैती की योजना बनाई थी। दीपिका ने अपनी देवरानी, जेठानी और परिवार की अन्य महिलाओं के जेवर करीब डेढ़ महीने पहले ही चोरी कर लिए और मायके ले गई थी। करीब तीन लाख रुपये के जेवर उसने मां के साथ जाकर मेरठ के एक सुनार को बेच दिए थे, जबकि कुछ जेवर मायके में ही रखे। डीसीपी ने बताया कि योगेंद्र त्यागी जिस अस्पताल में अपना इलाज कराता था, वहीं उसकी मुलाकात अकबर से हुई थी।

दिल्ली में रंगदारी नहीं मिलने पर दिनदहाड़े मारी गोली, मेले में झूला चलाता था युवक

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सीलमपुर स्थित कबाड़ी मार्केट में शुक्रवार दिनदहाड़े एक व्यक्ति को गोली मार दी गई। शनिवार को शाहनवाज खान की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मामले में गोली चलाने वाले एक नाबालिग को पकड़ा है। इसके साथ ही पुलिस ने तीन अन्य आरोपियों रेहान, फैजान और शोएब की पहचान की है। इस घटना का शनिवार को एक वीडियो भी वायरल हुआ है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह छापामार रही है।

प्राथमिक जांच में सामने आया कि आरोपियों ने गिरोह बनाकर शाहनवाज से पांच लाख की रंगदारी मांगी थी। रंगदारी नहीं मिलने पर आरोपियों ने पीड़ित की गोली मारकर हत्या कर दी। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि सीलमपुर थाने में शुक्रवार सुबह 11: 34 बजे एक व्यक्ति को गोली मारने की पीसीआर कॉल मिली थी।

कॉलर ने पुलिस को बताया कि ई-ब्लॉक स्थित कबाड़ी मार्केट में एक व्यक्ति के सिर में गोली मारी गई है। पुलिस ने घायल को जेपीसी अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचाया, लेकिन पीड़ित की हालत गंभीर होने के चलते उसे एलएनजेपी अस्पताल भेज दिया गया, जहां उपचार के दौरान शनिवार को उसकी मौत हो गई। वह मेले में झूला चलाने का काम करता है। वहीं शास्त्री पार्क इलाके में फोन लूटने का विरोध करने पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता मोनिश ने बताया कि वह मुस्तफाबाद में स्क्रैप का काम करता है। सोमवार रात वह अपने जीजा शाहरुख के साथ स्कूटी से चांदनी चौक से लोहा पुल होते हुए घर जा रहे थे।

दिल्ली में बंद नहीं होगी बिजली, पानी और बस सब्सिडी, भारद्वाज बोले- दिल्ली के बेटे केजरीवाल की बड़ी जीत

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शनिवार को एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया कि दिल्ली में किसी तरह की सब्सिडी वाली योजना बंद नहीं होगी। उनके मुताबिक कुछ लोग निहित राजनीतिक स्वार्थों की वजह से ऐसी अफवाहें फैला रहे हैं कि लोगों को मिल रही सब्सिडी बंद हो जाएगी। वहीं राजनिवास से आए इस स्पष्टीकरण के बाद दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक ट्वीट करते हुए इसे दिल्ली के बेटे और भाई अरविंद केजरीवाल की बड़ी जीत बताया। राजनिवास की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया, दिल्ली में बिजली, पानी और बस यात्रा सब्सिडी जारी रहेगी। कानूनी प्रक्रिया के तहत किसी व्यक्ति के जेल में रहने से सरकारी योजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ता। कोई भी सब्सिडी योजना बंद नहीं की जाएगी। लोगों को राजनीतिक निहित स्वार्थों वाले अफवाहों और बयानों को खारिज करना चाहिए। ये योजनाएं भारत सरकार और उपराज्यपाल द्वारा अनुमोदित बजट का हिस्सा हैं, जो किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल से संबंधित नहीं हैं। एक विशेष राजनीतिक दल के सदस्य और उसके मंत्री भ्रम पैदा करने के लिए स्पष्ट रूप से झूठे और जानबूझकर भ्रामक बयान दे रहे हैं। इस बारे में ट्वीट करते हुए दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने लिखा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली की जनता से वादा किया था कि वो जेल के बाहर हों या अंदर, दिल्ली के लोगों के काम नहीं रुकने देंगे।

26 घंटे का होगा दिन, घड़ी में बजेंगे 13, मछली पकड़ने के लिए नॉर्वे ने बनाया अजीबोगरीब प्लान

ओस्लो, एजेंसी।

अभी तक एक दिन में कुल 24 घंटे ही होते हैं, लेकिन आने वाले समय में इसमें बदलाव देखने को मिल सकता है। दरअसल, नॉर्वे ने एक अजीबोगरीब प्लान बनाया है, जिसके तहत दिन में 26 घंटे करने की मांग की गई है। ऐसा इसलिए किया जा रहा, ताकि लोग अपने करीबियों के साथ ज्यादा वक्त बिता सकें या उन्हें मछली पकड़ने जैसी गतिविधियों के लिए अधिक समय मिल सके। इतना ही नहीं, अब घड़ियों की अधिकतम संख्या 12 से बढ़ाकर 13 कर दी जाएगी। इस तरह आधा दिन 13 घंटों का होगा और पूरा 26 घंटों का। ब्रिटिश न्यूज वेबसाइट द सन की रिपोर्ट के अनुसार, फिनमार्क काउंटी के सुदूर शहर वाडसो की मेयर ने यूरोपीय आयोग को प्रस्ताव भेजा है। वेन्चे पेडर्सन ने आयोग से आग्रह किया कि नॉर्वे को 24 के बजाय 26 घंटे के दिनों वाला एक समय क्षेत्र स्थापित करने में सक्षम बनाया जाए। उन्होंने बताया कि 26 घंटे का दिन लोगों को मछली पकड़ने, शिकार करने, नई भाषाएं सीखने या बस करीबियों के साथ रहने जैसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए अधिक समय देगा।

बैसाखी उत्सव मनाने 2400 सिख तीर्थयात्री पहुंचे पाकिस्तान

लाहौर , एजेंसी।

बैसाखी उत्सव में भाग लेने के लिए 2400 सिख तीर्थयात्री शनिवार को वाघा सीमा के माध्यम से पाकिस्तान पहुंचे। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के पहले सिख मंत्री सरदार रमाश सिंह ओरारा ने इवैक्यू ट्रस्ट प्रापर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के अतिरिक्त सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वाघा सीमा पर भारतीय तीर्थयात्रियों का स्वागत किया। ईटीपीबी पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों के पवित्र स्थलों की देखभाल करता है।

पीटीआई, लाहौर। बैसाखी उत्सव में भाग लेने के लिए 2,400 सिख तीर्थयात्री शनिवार को वाघा सीमा के माध्यम से पाकिस्तान पहुंचे। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के पहले सिख मंत्री सरदार रमाश सिंह ओरारा ने इवैक्यू ट्रस्ट प्रापर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के अतिरिक्त सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वाघा सीमा पर भारतीय तीर्थयात्रियों का स्वागत किया।

ईटीपीबी पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों के पवित्र स्थलों की देखभाल करता है। ईटीपीबी के प्रवक्ता आमिर हाशमी ने कहा कि तीर्थयात्रियों को ट्रेन से हसनअब्दाल पहुंचाया गया। उन्हें पुलिस और रेंजर्स द्वारा सुरक्षा प्रदान की गई।

हाशमी ने कहा कि नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग ने 14 अप्रैल को हसनअब्दाल में होने वाले वार्षिक उत्सव में भाग लेने के लिए सिख तीर्थयात्रियों को 2,975 वीजा जारी किए थे। हालांकि, उनमें से 2,400 यहां पहुंचे हैं। ईटीपीबी ने बैसाखी मेले के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं और भारत से पहली बार आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए बसों के बजाय रेल परिवहन का उपयोग किया जाएगा। हाशमी ने कहा कि उत्सव का मुख्य कार्यक्रम रविवार को होगा, जिसमें 11,000 से अधिक स्थानीय और विदेशी तीर्थयात्री पंजा साहिब में जुटेंगे।

मालदीव से रवाना हो चुका भारतीय सैन्यकर्मियों का दूसरा जत्था

माले, एजेंसी।

भारत के साथ द्विपक्षीय समझौते के तहत हेलीकॉप्टर का संचालन करने वाले भारतीय सैन्य कर्मियों का दूसरा समूह नौ अप्रैल को मालदीव से रवाना हो गया है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने यह घोषणा की।

इस महीने के अंत में होने वाले संसदीय चुनावों से पहले सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवारों के लिए एक अभियान कार्यक्रम के दौरान मुइज्जू ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। स्थानीय मीडिया ने मुइज्जू के हवाले से कहा, ''पहली टीम जा चुकी है। नौ अप्रैल को दूसरे प्लेटफॉर्म से भी सैनिक हटा लिए गए हैं।''

'एडिशन डॉट न्यूज पोर्टल' ने मुइज्जु के हवाले से अपनी खबर में कहा, ''एक ही प्लेटफार्म बचा है। जैसा कि दोनों देशों ने पहले ही हस्ताक्षर कर दिए हैं, उन्हें (बाकी भारतीय सैन्य कर्मियों को) भी 10 मई से पहले वापस बुला लिया जाएगा। वे चले जायेंगे।'' इस देश से भारतीय सैन्यकर्मियों की वापसी पर न तो मालदीव रक्षा मंत्रालय और न ही भारत ने कोई टिप्पणी की है।

मालदीव सरकार के अनुसार, 88 भारतीय सैनिक मालदीव में एक हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान को संचालित करने के लिए तैनात थे। भारतीय सैनिकों का पहला समूह 11 मार्च को मालदीव से रवाना हुआ था।

न तो मालदीव रक्षा मंत्रालय और न ही भारत ने इस देश से भारतीय सैन्य कर्मियों की ताजा वापसी पर टिप्पणी की है। मालदीव सरकार के अनुसार, 88 भारतीय सैनिक मालदीव में अद्दू और लामू कधधू में हेलीकॉप्टर और हनीमाधू में एक डोर्नियर विमान संचालित करने के लिए तैनात थे।

भारतीय सैनिकों का पहला जत्था 11 मार्च को मालदीव से रवाना हुआ था।

पिछले साल नवंबर में मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद से मालदीव और भारत के बीच संबंध खराब हुए हैं, जबकि चीन के साथ करीबी संबंध बरकरार हैं। उन्होंने जनवरी में चीन की यात्रा भी की थी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग समेत शीर्ष चीनी नेताओं से मुलाकात की थी। चीन और मालदीव ने हाल ही में एक रक्षा सहयोग समझौते और कई अन्य बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए।

मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत का प्रमुख समुद्री पड़ोसी है। यह देश सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) और नरेंद्र मोदी सरकार की पड़ोसी पहले की नीति जैसी पहलों में एक विशेष स्थान रखता है।

कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने बैसाखी और पुथंडू की शुभकामनाएं दीं

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शनिवार को सिखों को बैसाखी तथा तमिलों को पुथंडू पर्व की शुभकामनाएं दीं और सभी के लिए बेहतर, निष्पक्ष और अधिक समावेशी देश बनाने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। ट्रूडो के कार्यालय द्वारा जारी अलग-अलग शुभकामना संदेशों में प्रधानमंत्री ने सिखों को उनके फसल उत्सव बैसाखी और तमिलों को उनके नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। ट्रूडो ने कहा, ''आज, सिख कैलेंडर के सबसे पवित्र दिनों में से एक, बैसाखी मनाने के लिए कनाडा और दुनियाभर के सिख एक साथ आएंगे। बैसाखी का त्योहार खालसा पंथ की स्थापना की याद दिलाता है और साथ ही यह वसंत फसल उत्सव का भी पर्व है। उन्होंने कहा, '' सिख अपने स्थानीय गुरुद्वारों में इकट्ठा होंगे, नगर कीर्तनों में भाग लेंगे तथा अपनी समृद्ध विविधता और विरासत का जश्न मनाएंगे। कनाडा के प्रधानमंत्री ने तमिल समुदाय को नए साल की शुरुआत पर शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''यह पिछले वर्ष के लिए आभार व्यक्त करने तथा नयी आशा और उत्साह के साथ एक नयी शुरुआत करने का अवसर है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।